रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

['A' Grade Institution Accredited by NAAC]

अमेठी (उत्तर प्रदेश) पिन– 227405

संबद्ध–डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

पत्रांक :–1746/2020-2021 दिनांक :– 09.07.2021

सेवा में,

कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना,
डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
अयोध्या।

विषयः–राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2020–21 में विशेष शिविर, सामान्य कार्यक्रम रिपोर्ट प्रेषण के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके पत्रांक लो0अ0वि0/रा0से0यो0/2321/2021 दिनांक 11 जून 2021 के अनुपालन में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2020–21 के विशेष शिविर एवं सामान्य कार्यक्रम की वांछित विस्तृत रिपोर्ट आपके पास प्रेषित है। यह सूचना इमेल के माध्यम से भी प्रेषित की जा रही है।

कृपया प्राप्ति स्वीकार कर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

सादर,

भवदीय

(डॉ0 ओम प्रकाश त्रिपाठी)
प्राचार्य

प्रतिलिपि : डॉ0 अंशुमाली शर्मा, विशेष कार्यक्रमाधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

(डॉ0 ओम प्रकाश त्रिपाठी)
प्राचार्य

अन्तू रोड, अमेठी, उ0प्र0 पिन–227405

फोन नं0–05368.222132, 222124, मो0 नं0 9415177948

Email ID:-rrpg_amethi@yahoo.co.in, website:-www.rrpgcollege.org.in

रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

['A' Grade Institution Accredited by NAAC]

अमेठी (उत्तर प्रदेश) पिन– 227405

संबद्ध–डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

पत्रांक :– 1796/2020-2021 दिनांक :– 09.07.2021

सेवा में,

कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना,
डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
अयोध्या।

विषयः–राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2020–21 में विशेष शिविर, सामान्य कार्यक्रम रिपोर्ट प्रेषण के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके पत्रांक लो0अ0वि0/रा0से0यो0/2321/2021 दिनांक 11 जून 2021 के अनुपालन में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2020–21 के विशेष शिविर एवं सामान्य कार्यक्रम की वांछित विस्तृत रिपोर्ट आपके पास प्रेषित है। यह सूचना इमेल के माध्यम से भी प्रेषित की जा रही है।

कृपया प्राप्ति स्वीकार कर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

सादर,

भवदीय

(डॉ0 ओम प्रकाश त्रिपाठी)
प्राचार्य

प्रतिलिपि : डॉ0 अंशुमाली शर्मा, विशेष कार्यक्रमाधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

(डॉ0 ओम प्रकाश त्रिपाठी)
प्राचार्य

अन्तू रोड, अमेठी, उ0प्र0 पिन–227405
फोन नं0–05368.222132, 222124, मो0 नं0 9415177948
Email ID:-rrpg_amethi@yahoo.co.in, website:-www.rrpgcollege.org.in

R.R.P.G. College, Amethi

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–01

(वर्ष 2020–21 की वार्षिक एवं विशेष शिविर आख्या)

कार्यक्रमाधिकारी–डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह

डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

राष्ट्रीय सेवा योजना रिपोर्ट

सामान्य कार्यक्रम योजना

सत्र–2020–2021

आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी

इकाई–01

चयनित ग्राम–मंगलपुर

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह

दिनांक 24.09.2020 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। प्रातः 10.00 बजे परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडारोहण हुआ एवं इसी के साथ ही एन.एस.एस. 2020–2021 सत्र का प्रारंभ हुआ। झंडारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए। स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने एन.एस.एस. के गठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं आधुनिक राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस. की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयंसेवक छात्रों को अनुशासित होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों का निराकरण करने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने वर्तमान परिवेश को स्वस्थ रखने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के समान अन्य समाज निर्माण के कार्यक्रम चलाए जाने की बात की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना को स्वामी विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अनुप्राणित बताते हुए युवाओं का आवाहन किया कि वे भी इनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु आगे आएँ। अन्त में द्वितीय इकाई के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

दिनांक 02.10.2020 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गयी। सभी स्वयंसेवक पूरे शहर में हाथों में तख्तियाँ लेकर प्रभातफेरी निकाली। प्रभात फेरी के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात महाविद्यालय के मालवीय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महात्मा गांधी और 'जय–जवान, जय–किसान' का नारा देने वाले स्व0 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विशद चर्चा हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अंकित, सचिन, शुभम, साक्षी द्विवेदी आदि ने स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने दोनों महापुरूषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता को अपने स्वभाव में अंगीकार करने का आवाहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 पवन पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह, डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 शिप्रा सिंह ने भी स्वच्छता के माध्यम से अनकूलतम पर्यावरण बनाए रखने की आवश्यकता बतायी। प्राचार्य के साथ सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने परिसर की सफाई की एवं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता के साथ ही दिनचर्या की शुरूआत करने की प्रतिबद्धता जतायी।

दिनांक 17.10.2020 को सभी स्वयंसेवक चयनित गाँव मंगलपुर गए जहाँ पर उन्होंने फावड़ा, झाड़ू लेकर गाँव में जगह–जगह स्थित नाली, हैण्डपम्प आदि की सफाई करके यह संकेत देने की कोशिश की कि ग्रामवासियों को अपने नाली घर की साफ–सफाई स्वयं करनी चाहिए।

दिनांक 18.10.2020 को चयनित ग्रामसभा में नाली की सफाई की गयी, चयनित गाँव मंगलपुर में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अधिक संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित हुए। मद्यपान से होने वाली क्षति को स्पष्ट करते हुए स्वयं सेवक मनीष बरनवाल इकाई–1 ने ग्रामवासियों को मद्यपान न करने का सुझाव दिया। पिंकी मौर्या स्वयं सेवक इकाई 1 ने मद्यपान को अभिशाप बताया एवं सभी मद्यपान में लिप्त लोगों को मद्यपान न करने का संकल्प लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से आप केवल अपना ही स्वास्थ्य नहीं बल्कि अपने बच्चों का एवं आने वाली पीढ़ी का भी स्वास्थ्य ठीक रख सकते हैं। ग्रामवासियों ने मद्यपान का विरोध करने का संकल्प भी लिया।

दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को चयनित ग्राम मंगलपुर में वृक्षारोपण हेतु थालों का निर्माण करके, 21 अक्टूबर, 2020 को वृक्षारोपण किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण करने के साथ–साथ पूरे ग्राम में भ्रमण करके विभिन्न टोलियों में विभक्त हो करके ग्रामवासियों को वृक्षारोपण से होने वाले लाभ से परिचित कराया। वृक्षारोपण के पश्चात स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों से थालों में रोपित पौधों को आवश्यक खाद–पानी के माध्यम से पोषण करने एवं संरक्षित करने का निवेदन किया। सभी स्वयंसेवक वृक्षारोपण के पश्चात सूक्ष्म जलपान करके वापस लौट आए।

दिनांक 26 अक्टूबर, 2020 एवं 28 अक्टूबर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों ने चयनित ग्राम का भ्रमण कर विभिन्न टोलियों में विभक्त होकर साक्षरता प्रसार हेतु ग्रामवासियों को जागरूक किया और गांव की कुछ महिलाओं को अपना हस्ताक्षर करने के लिए प्रशिक्षित भी किया।

दिनांक 5 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में सड़क मरम्मत का कार्य किया गया।

दिनांक 6 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में साफ–सफाई के प्रति सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 7 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में स्वयंसेवकों द्वारा सामाजिक समस्याओं के प्रति दीवालों पर स्लोगन लेखन का कार्य किया गया।

पुनः 9 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ग्रामवासियों से मिलकर मलिन बस्तियों के सफाई अभियान के प्रति उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्रात की गयी एवं सुझाव भी दिया गया और एड्स जागरूकता रैली निकाली गयी।

इसी क्रम में दिनांक 24 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में ग्राम प्रधान के साथ मिलकर सभी स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को एकत्रित कर स्वच्छ पेय जल की प्राप्ति एवं संरक्षण विषय पर परिचर्चा की गयी।

दिनांक 26 नवम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डा0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया।

दिनांक 27 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में पुनः सड़क मरम्मत का कार्य पूर्ण किया गया।

दिनांक 1 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्रामसभा में अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर रैली व समारोह सम्पन्न किया गया।

दिनांक 03 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर से लेकर शहर तक एक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली के दौरान मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह देखा गया। कई मतदाताओं द्वारा इस बार अवश्य मतदान करने का आश्वासन भी दिया गया। रैली के बाद महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागी स्वयंसेवकों ने बड़े रोचक ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेवक अंकिता तिवारी ने चुनाव आयोग द्वारा अपेक्षित विषय प्रत्येक मत की महत्ता' पर अपने विचार विस्तार से रखा। स्वयंसेविका पिंकी मौर्या, अंकित राव ने अपने गाँव में मतदाताओं के मतदान करने के फैसले से लोगों को अवगत कराया।

दिनांक 5 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया।

दिनांक 7 दिसम्बर, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं की मलिन बस्तियों की सफाई किया गया।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा सफाई पर जागरूकता रैली निकाली गयी।

दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं में नालियों की सफाई की गयी।

दिनांक 18 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय परिसर में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया। स्वयंसेवक मनीष बरनवाल ने पूरे विश्व को गाँव मानकर प्रकृति का अनुकूलतम उपयोग करके मनुष्य के हितों की रक्षा करने की बात की।

दिनांक 21 दिसम्ब्र, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने–अपने चयनित ग्राम सभाओं में जाकर सड़क निर्माण का कार्य किया गया।

दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम मंगलपुर में सभी स्वयंसेवकों ने कुओं के आस–पास साफ–सफाई की। छात्रों ने झाड़ू, फावड़ा आदि साधनों से कुओं को साफ करने का काम किया। कुओं को साफ करने के दौरान ग्रामवासियों ने कुछ कुओं के प्रयोग में न होने की सूचना दिया जिस पर स्वयंसेवकों ने कहा कि अप्रयुक्त कुआँ होने के बाद भी उसकी सफाई की जानी चाहिए क्योंकि कुएँ के आस–पास की गन्दगी वहीं तक सीमित न होकर पूरे सामाजिक वातावरण को गन्दा करती है।

दिनांक 9 जनवरी, 2021 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने चयनित ग्राम सभाओं में मद्यपान निषेध पर रैली के माध्यम से ग्राम वासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 जनवरी, 2021 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'युवा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने युवाओं से विवेकानन्द जी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आवाहन किया। वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों पर चलकर करने हेतु युवाओं को प्रेरित किया। उक्त अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0प्रोफे0 डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने स्वामी जी के सूत्र वाक्य 'उठो, जागो और आगे बढ़ो' पर अपना विस्तृत विचार व्यक्त किया।

उक्त अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को 'वित्तीय साक्षरता अभियान' के अन्तर्गत 'कैशलेश योजना' से अवगत कराया गया एवं उन्हें अमेठी शहर में जाकर दुकानदार को इस योजना से ही भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक वालन्टियर अपने ग्राम मुहल्ले में कम से कम दस परिवारों को कैशलेश योजना के लाभों की जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह एवं डॉ0 शिप्रा सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वयंसेवक अंकित एवं नरगिस ने संयुक्त रूप से किया।

दिनांक 25 जनवरी, 2021 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रैली निकाली गयी एवं मतदाता जागरूकता समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी ग्रामवासियों को ''पहले मतदान–फिर कोई काम'' का संकल्प दिलाया गया।

दिनांक 28 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय में रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 30 जनवरी, 2021 को पुनः चयनित ग्रामसभा में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राएं वृक्षारोपण थालों का निर्माण और दिनांक 03 फरवरी, 2021 को चयनित ग्राम सभाओं में वृक्षारोपण किया गया।

दिनांक 05 फरवरी, 2021 चयनित ग्राम सभाओं में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा साक्षरता प्रसार पर रैली निकालकर ग्रामवायियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 फरवरी, 2021 को सभी इकाइयों के स्वयं सेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा यातायात के संदर्भ में एक जागरूकता अभियान चलाया गया और एक रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

अवगत कराना है कि आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयाँ सामान्य कार्यक्रम के अतिरिक्त समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संचालन कुशलतापूर्वक करती रही है।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह)
कार्यक्रमाधिकारी

2021/03/25 09:42

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय युवा दिवस/सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशेष शिविर रिपोर्ट 2020–2021

(तिथि–21.03.2021 से 27.03.2021 तक)

चयनित ग्राम–मंगलपुर

शिविर स्थल–प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी

इकाई–1

आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी

प्रथम दिवस (दिनांक 21.03.2021 उद्घाटन समारोह)

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह

दिनाँक 21 मार्च, 2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष साप्ताहिक शिविर प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी में प्रारम्भ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, मुख्य अतिथि– उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 उमेश सिंह, डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह, डॉ0 विजय कुमार सिंह, डॉ0 धनंजय सिंह, डा0 ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी के प्रबन्धक श्री देवमणि तिवारी एवं समस्त शिक्षक महानुभाव उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती एवं महाविद्यालय के संस्थापक राजर्षि रणंजय सिंह की प्रतिमा पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह एवं उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस अवसर पर शिविरार्थी कु0 पिंकी एवं साक्षी ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। तत्पश्चात वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने

शिविर में आये हुए अतिथियों का स्वागत स्वागत भाषण के माध्यम से किया। स्वागत भाषण के दौरान ही डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने अपने अनुभवों के माध्यम से शिविरार्थियों को पूर्व में आयोजित शिविर एवं पूर्व के कुछ शिविरार्थियों के अनुशासन के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ इस शिविर में रहकर शिविरार्थी किस तरह से समाज–निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं इसको भी रेखांकित किया।

शिविरार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसको कि अतिथियों ने बहुत सराहा। महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0 प्रोफेसर डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डाला तथा इन सात दिनों में चयनित ग्राम में जाकर ग्रामवासियों को विभिन्न समस्याओं से परिचित कराकर उनका समाधान अपने स्तर पर करने की अपील की। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने ज्वलन्त सामाजिक समस्या दहेजप्रथा एवं कन्या भ्रूणहत्या, बाल–विवाह रोकने हेतु शिविरार्थियों का आह्वान किया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने जलसंचयन एवं आवश्यकतानुसार प्राकृतिक सम्पदाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के असि0 प्रोफे0 डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं एवं उनके समाधान के प्रति शिविरार्थियों में जागरूकता पैदा किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने ओजस्वी भाषण के माध्यम से छात्रों को विवेकानन्द के व्यक्तित्व से प्रेरित होकर राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने कृषि प्रधान देश होने के बाद भी कृषि की दयनीय स्थिति पर अपनी चिन्ता व्यक्त की एवं विभिन्न माध्यमों से कृषि को उन्नत करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित एवं संकल्पित कराया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर के इस सत्र मुख्य अतिथि डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की ऐतिहासिक विवेचन प्रस्तुत किया। एवं विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से शिविरार्थियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के व्यक्तित्त्व से प्रेरित होकर समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने

हेतु संकल्पित किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्र वाक्य, बैज एवं चिन्ह के उद्‌गम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिविर में सात दिन तक सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रमोंपरान्त उद्‌घाटन सभा में उपस्थित अतिथियों, ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शिविर के प्रथम दिन के सायंकालीन सत्र में चारों इकाईयों के शिविरार्थियों ने अपने–अपने कार्यक्रमाधिकारी के निर्देशन में सप्ताह भर में चयनित ग्राम में होने वाली गतिविधियों एवं सायंकालीन सत्र में होने वाले कार्यक्रमों, गोष्ठियों के बारे में विवरण भी तैयार किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

दूसरा दिवस (22.03.2021)

दिनांक 22.03.2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी के राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने शिविर स्थल के आस पास साफ–सफाई किया। पूर्वाह्नसत्र में शिविरार्थियों ने पंक्तिबद्ध होकर चयनित ग्राम मंगलपुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। शिविरार्थी रैली के दौरान अपने हाथों में स्लोगन लिखित पोस्टर, बैनर एवं तख्तियाँ लिए हुए थे। रौली के दौरान सभी ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपने–अपने ढंग से बातचीत के माध्यम से समझा रहे थे। उक्त अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा विभिन्न प्रश्न भी पूछे गए जिनका सन्तोषजनक उत्तर देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें सन्तुष्ट करने का प्रयास किया। कुछ ग्राम के मतदाताओं ने मतदान करने से होने वाले फायदे के बारे में पूछा एवं मतदान न करने हेतु अपने कारण भी बताए जिसका उत्तर कुशलतापूर्वक देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें मतदान के माध्यम से ही अपने इच्छुक अभ्यर्थी का चुनाव करके सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील की। अन्त में ग्रामवासियों ने सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया कि उन्होंने ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपना समय निकालकर ग्राम में विचरण किया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने प्रथम सत्र की रैली में पूछे गए प्रश्नों एवं ग्रामवासियों में मतदान हेतु शिथिलता के बारे में गम्भीरतापूर्वक विचार किया, एवं मतदाता जागरूकता हेतु अन्यकार्यक्रम किए जाने की प्रतिबद्धता भी जतायी।

सायंकालीन सत्र में शिविर स्थल पर मतदाता जागरूकता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापक एवं क्षेत्र के अनेक नागरिक सम्मिलित हुए। गोष्ठी की शुरूआत ईशवन्दना एवं सरस्वती वन्दना से हुई। तदोपरान्त कार्यक्रमोधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों ने प्रातःकालीन रैली में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित समस्याओं की ओर अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया। स्वयंसेवक अंकित ने मतदाता जागरूकता के अभियान की सफलता की वकालत की। उन्होंने मतदाता जागरूकता के कार्यक्रमों के कारण इस वर्ष होने वाले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना व्यक्त की जो कि जागरूकता

अभियान की सफलता की ओर इशारा करता है। स्वयंसेविका अनामिका सिंह ने महिलाओं का आवाह्न किया कि महिलाएँ मतदान में भाग लेकर देश की तस्वीर बदलने का काम कर सकती हैं। तत्पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उपस्थित ग्रामवासियों में मतदान हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी देने की अपील की। उन्होंने विगत वर्षों में हुए मतदान में मतदान प्रतिशत को सामने रखकर केवल आधी आबादी द्वारा ही सरकारें गठित होने पर अपनी चिन्ता व्यक्त की। एवं इस मतदान प्रतिशत को हर स्थिति में प्रत्येक चुनाव में बढ़ाए जाने हेतु प्रेरित किया। ग्राम प्रधान ने ग्रामवासियों को उपलब्ध कराए गए योजनाओं के प्रकाश में मतदाताओं को अधिक अच्छी सरकार गठित करके अन्य लाभकारी योजना लाने हेतु मतदान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आवाह्न किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के ग्रामवासी का नामांकन होना चाहिए अगर किसी को नामांकन कराने में कोई परेशानी हो तो लेखपाल, बी0एल0ओ0 से सम्पर्क करके फार्म 6 भरकर नामांकन करवा सकता है। बी0एल0ओ0 प्रतिदिन ग्राम में आते हैं। आवश्यकता है कि वंचित ग्रामवासी उनसे सम्पर्क अवश्य करें। गोष्ठी के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्रवाक्य "Not Me But You" की विशद व्याख्या की एवं प्रत्येक मत को महत्त्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्र निर्माण में योग्य उम्मीदवारों का चयन करके भागीदार बनने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह आश्वासन दिया कि मतदाता जागरूकता हेतु पुनः चयनित ग्राम में जाकर छूटे हुए मतदाताओं का नामांकन कराया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योज
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्याल
SWACHH BHARAT MISSION
2021-03-23 12:10

राष्ट्रीय सेवा योज
YOU
रणवीर रणञ्जय
महाविद्यालय
2021-03-23 12:09

तीसरा दिवस (23.03.2021)

दिनांक 23.03.2021 को सभी स्वयंसेवक शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित होकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों के साथ प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। स्वयं सेवक शुभम् कश्यप इकाई प्रथम ने सभी स्वयं सेवक एवं उपस्थित जनसमुदाय से संकल्प लेकर बाल–विवाह, मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का समाधान करने की अपील की। इकाई तीन के स्वयंसेवकों ने लघुनाटिका प्रस्तुत की जिसका विषय था 'लोकतन्त्र की महत्ता'। उक्त कार्यक्रम अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। साथ ही साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने सभी स्वयंसेवको को सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

सायंकालीन सत्र में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें सभी शिविरार्थी, कार्यक्रमाधिकारी एवं विशिष्टजन उपस्थित हुए। मद्यपान निषेध की आवश्यकता पर बल देते हुए मद्यपान के भयावह स्वरूप पर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने विस्तृत चर्चा की। उक्त गोष्ठी में ग्राम प्रधान ने पूरी ग्रामसभा को मद्यपान से मुक्त कराने का संकल्प लिया एवं इस कार्यक्रम हेतु सभी कार्यक्रमाधिकारियों, शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 सीमा सिंह ने महिलाओं से अपील की कि मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का निदान महिलाएँ घर के सदस्यों को समझाकर जागरूककर एवं अपना विरोध ज्ञापित करके अच्छी तरह से कर सकती हैं। घर एवं समाज के परिवेश का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है इसीलिए लोगों को कोई भी ऐसा व्यसन नहीं करना चाहिए जिससे वे अपने बच्चों का भविष्य खराब करने में भागीदार बने। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने मद्यपान से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालते हुए अपील की कि हम सब लोगों को मिलकर स्वस्थ वातावरण पैदाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने उक्त व्यसन पर होने वाले धन की हानि एवं स्वास्थ्य क्षति पर विशेष रूप से लोगों का ध्यानाकर्षण किया।

बच्चों के अधिकार

चौथा दिवस (24.03.2021)

दिनांक 24.03.2021 को स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के रूप में चयनित ग्राम में पंक्तिबद्ध होकर एक रैली निकाली। सभी स्वयंसेवक स्वच्छता जागरूकता से संबंधित नारे लिखित तख्तियाँ हाथों में लिए हुए थे। सभी स्वयंसेवकों ने गली, सड़क, कुएँ, हैण्डपाइप के आस–पास फैली हुई गन्दगी को झाड़ू, फावड़ा से साफ किया एवं उपस्थित ग्रामवासियों को स्वच्छता की महत्ता बताते हुए उन्हें स्वयं ही साफ–सफाई करने को उद्यत किया। गाँव वालों ने कहा कि एक दिन साफ करने से क्या होगा प्रतिदिन आकर साफ–सफाई करिए। इस पर स्वयंसेवकों ने सन्तोषजनक उत्तर देते हुए कहा कि हम लोग सांकेतिक रूप से साफ–सफाई कर रहे हैं। अगर आप लोगों को यह मालूम है कि प्रतिदिन साफ–सफाई होनी चाहिए इसका अर्थ है कि साफ–सफाई स्वच्छता करना अच्छा कार्य है और अच्छे कार्य को करने के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वच्छता के माध्यम से स्वस्थ वातावरण बनाकर अनेक गन्दगी जनित समस्याओं का निदान करने हेतु ग्रामवासियों से बात भी किया।

सायंकालीन सत्र में 'पर्यावरण जागरूकता', पर एक संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें सभी शिविरार्थी ग्रामवासी एवं महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक उपस्थित हुए। गोष्ठी में बोलते हुए आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी के रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह ने पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले कारकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने पर्यावरण को बचाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उपस्थित लोगों को मृदा–संरक्षण, जल संसाधन का समुचित उपयोग एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित करने की अपील की। इसी क्रम में विशेष आमन्त्रित अतिथि डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय अध्यक्ष, भूगोल विभाग, आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी ने जल बचाओ आन्दोलन में स्वयं द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि जलसंकट वर्तमान समय की सबसे विकट समस्या बनता जा रहा है जिसको रोकने की चुनौती समाज के सामने है। उन्होंने विश्वस्तर पर होने वाले ग्लोबल वार्मिंग की तरफ भी सबका ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी के समापन अवसर पर

कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए, पर्यावरण, संरक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवायोजना के स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

पॉचवा दिवस (25.03.2021)

दिनांक 25.03.2021 को इकाई–1 के शिविरार्थियों के बीच एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ''। प्रतियोगिता में सभी शिविरार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरान्त प्रतिभागियों के निबन्ध का मूल्यांकन कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। मूल्यांकन के पश्चात प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया जिनका नाम निम्नवत है–

1–	नरगिस बानो	प्रथम स्थान	प्रथम इकाई
2–	अनुरागदीप श्रीवास्तव	द्वितीय स्थान	प्रथम इकाई
3–	अंकित राव	तृतीय स्थान	प्रथम इकाई

अल्पकाल के विश्राम के बाद सभी शिविरार्थी पुनः एकत्रित हुए एवं चयनित ग्राम मंगलपुर में वृक्षारोपण विषय पर लिखित तख्तियों, पट्टिकाओं के साथ रैली निकाली। रैली के दौरान अधिकांश, ग्रामवासी जगह–जगह खड़े होकर स्लोगन को पढ़ रहे थे। कई जगह एकत्रित व्यक्तियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों ने वृक्षारोपण के महत्व को समझाया एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। इस सत्र में चयनित ग्राम रतनसिरा में स्वयंसेवकों द्वारा रोपित पौधों का अवलोकन भी किया एवं कुछ पौधों के सूखने के कारणों पर विचार भी किया। रैली से वापस आने के बाद सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित हुए जहाँ पर उनके द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों को बताया गया। प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के नाम की भी घोषणा की गयी। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागियों की कापी को अन्य प्रतिभागियों को भी दिखाया गया जिससे कि वे अपनी तुलना उन चयनित प्रतिभागियों से कर सके और अपनी गलतियों को सुधारकर व्यक्तित्व निर्माण कर सके। प्रत्येक छात्र के निबंध लेखन की गलतियों को कार्यक्रमाधिकारी द्वारा इंगित करके उन्हें दूर करने के तरीकों को भी बताया गया। तत्पश्चात चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया जिससे कि उनका उत्साहवर्धन हो सके एवं अन्य प्रतिभागी भी अपने अगले प्रयास में और

अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रतिभागियों द्वारा अध्ययन के समय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखते समय आने वाली समस्याओं के बारे में भी प्रश्न पूछा गया जिसका उत्तर सहज ढंग से महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास के असि0 प्रोफे0 डॉ0 राधेश्याम सरोज ने दिया जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त सन्तुष्ट दिखे। प्रथम इकाई के स्वयंसेवक रविशंकर मिश्र ने लिखते समय मस्तिष्क में आ रहे विचारों के गायब होने के बारे में प्रश्न किया जो कि अनेक छात्रों के साथ होता है। इस प्रश्न का उत्तर महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अक्षयवर नाथ तिवारी ने यह कहकर दिया कि जब छात्र में आत्मविश्वास का अभाव होता है और विचारों को क्रमबद्ध ढंग से मस्तिष्क में व्यवस्थित नहीं कर पाता है तो इस तरह की समस्या आती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि छात्र अध्ययन के समय विचारों को व्यवस्थित करके अपने भी विचार शामिल करे और साथ ही साथ यह आत्मविश्वास भी पैदा करे कि वह अपने विचारों को दृढ़ता के साथ स्थापित कर सकता है। अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों को आभार ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी चाय पीने हेतु पंक्तिबद्ध हो गए जहाँ पर उन्हें बिस्किट, हलुआ एवं चाय प्रदान किया गया।

षष्टम दिवस (26.03.2021)

दिनांक 26.03.2021 को चयनित ग्राम मंगलपुर में स्वच्छता जागरूकता पर कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में शिविरार्थियों द्वारा एक रैली निकाली गयी। रैली के दौरान टोली नायकों ने अनुशासित होकर अपने–अपने टोली के सदस्योंको व्यवस्थित रूप में ग्राम भ्रमण कर रहे थे जिसके लिए ग्रामवासी घरों से निकलकर बाहर काफी देर तक खड़े रहे एवं वे शिविरार्थियों के हाथों में उपलब्ध तख्तियों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ रहे थे। इस बार यह रैली इसलिए निकाली गयी थी कि पूर्व के दिनों में स्वच्छता के बारे में किए गए गतिविधियों के प्रभाव का मूल्यांकन हो सके कि क्या इन जागरूकता के कार्यक्रमों का प्रभाव ग्रामीणों पर पड़ रहा था या नहीं। रैली के दौरान इस बार बहुत ही सकारात्मक परिणाम पाया गया। हैण्डपम्प, नाली, रास्तों, कुओं के आस–पास पिछली बार की अपेक्षा अधिक साफ–सफाई देखी गयी। जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त उत्साहित एवं खुश दिखे। अन्त में सभी शिविरार्थी पंक्तिबद्ध होकर ही वापस शिविर स्थल पहुँचे जहाँ पर एक स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता 'साक्षरता' विषय पर करायी गयी। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता अनेक आकर्षक स्लोगन से प्रथम तीन स्थान प्राप्त छात्रों का चयन भी किया गया जिन्हें शिविर के अन्तिम दिन पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी।

बौद्धिक कार्यक्रम में शाम को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था– ''भ्रष्टाचार में युवाओं की भूमिका''। यह ऐसा विषय है जिस पर युवाओं की देश के प्रति सोच से परिचित हुआ जा सके। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने युवाओं की भूमिका पर विचार रखने के साथ–साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रयासों की प्रशंसा भी की। प्रथम इकाई के छात्र शुभम् कश्यप ने बड़े ही रोचक ढंग से युवाओं की शिथिलता को प्रस्तुत करते हुए उन्हें उत्साहित होकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपना सक्रिया योगदान देने की अपील की। अन्य प्रतिभागी सरिता तिवारी ने विवेकानन्द के व्यक्तित्व को सामने रखकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात की। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक

मण्डल के सदस्यों – कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह, महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ0 आशीष शुक्ल एवं कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 आनन्द सिंह ने पूरे विश्व में भारत के युवाओं की सराहना की कि हमारे देश का युवा सबसे अधिक ऊर्जावान है। अन्य देशों में युवा अवसादग्रस्त हो रहे हैं। जबकि हमारे देश के युवा तथाकथित विकास के आधुनिक प्रतिमानों से दूर होने के कारण अधिक ऊर्जावान एवं उत्साहित हैं। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने चाय, नाश्ता ग्रहण किया। अन्तिम कार्यक्रम के रूप में सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन शिविरार्थियों द्वारा किया गया। जिसमें दहेजप्रथा, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता आदि के बारे में एक संगीत, नृत्य, समूह गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। उसके बाद सभी शिविरार्थी रात्रि भोजन व्यवस्था में लग गए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
दहेज प्रथा है एक अभिशाप
बेटी को मत समझो भार जीवन का है यह आधार
Save Me

राष्ट्रीय सेवा योजना
विशेष शिविर

सप्तम दिवस (27.03.2021) समापन समारोह

शिविर के अन्तिम दिन दिनांक 27.03.2021 को नाश्ता करने के बाद सभी शिविरार्थी चयनित ग्राम मंगलपुर में साक्षरता जागरूकता पर रैली हेतु पंक्तिबद्ध हुए। रैली टोली नायकों के निर्देशन में अनुशासित होकर रैली गाँव भर में भ्रमण की। रैली के समय सभी शिविरार्थी हाथों में हस्तलिखित पट्टिकाएँ लिए हुए थे। पट्टिकाओं पर लिखे हुए बहुत ही आकर्षक एवं अर्थपूर्ण थे जिसे ग्रामवासियों द्वारा तल्लीनता से पढ़ा जा रहा था। ग्रामवासियों ने चयनित ग्राम रतनसिरा में इतने अधिक जागरूकता का कार्यक्रम करने के लिए शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी चारों इकाई के शिविरार्थी शिविर के समापन समारोह हेतु एकत्रित हुए। समापन समारोह में आर.आर.पी. जी. कालेज के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह जन्तु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मलखान सिंह, पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 अक्षयवरनाथ तिवारी, अंग्रेजी विभाग के डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी, समापन कार्यक्रम के प्रारंभ में इकाई तीन के स्वयंसेवकों की तरफ से अंकित राव एवं स्वयंसेविकाओं की तरफ से साक्षी द्विवेदी ने साप्ताहित शिविर में संचालित गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह ने अपने संबोधन में सभी शिविरार्थियों से अपील की कि शिविरार्थियों को शिविर एवं चयनित ग्रामों में किए गए गतिविधियों का अनुसरण व्यक्तिगत जीवन में करना चाहिए एवं चौबीस घंटे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु तैयार होना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु स्वयंसेवकों से भ्रष्टाचार में लिप्त न होने एवं लिप्त भ्रष्टाचारियों को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करके अपना विरोध व्यक्त करने का आवाहन किया। विद्यालय के प्राध्यापक राजीव सिंह ने अपना संस्मरण सुनाया एवं अपने व्यक्तित्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने शिविरार्थियों के लगन एवं अनुशासन की बार–बार प्रशंसा की। कालेज के शिक्षक श्री राजमणि तिवारी ने स्वच्छता एवं साक्षरता के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। आर.आर.पी.जी. कालेज के

प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवायोजना के उद्देश्यों को शत–प्रतिशत सफल करके व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय सहयोग देने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात साप्ताहिक शिविर में सम्पन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सांकेतिक रूप से पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागी अधोलिखित हैः–

अ. भाषण प्रतियोगिता

प्रथम शुभम 1 इकाई

द्वितीय जलाल खान 1 इकाई

ब. स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता

प्रथम – सचिन मोदनवाल 1 इकाई

द्वितीय – पिंकी मौर्या 1 इकाई

स. गीत–गायन प्रतियोगिता

प्रथम– साक्षी द्विवेदी 1 इकाई

द्वितीय– शुभम् कश्यप 1 इकाई

द. विशेष शिविर नायक अंकित राव 1 इकाई

शिविर नायक छात्र सत्यम यादव 1 इकाई

छात्रा– नेहा तिवारी 1 इकाई

समापन समारोह के अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने सभी अतिथियों इण्टरमीडिएट कालेज के प्राचार्य, प्रबंधक शिविरार्थियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया कि सब लोगों ने कैम्प में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी भावुक होकर अपने सामान की पैकिंग करके समाज निर्माण करने के उद्देश्य से अपने घरों को वापस चले गए।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह)
कार्यक्रमाधिकारी

RANANJAY POST GRADUATE COLLEGE

गई। वहां सर्द हवाएं लोगों को परेशान कर रही थी।

शनिवार की सुबह पूरी तरह से कोहरा छाया रहा। वहीं सर्दी अपने पूरे रौ में दिखी। ठंड से पूरा जिला कांपता नजर आया। पारा दस डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया।

'समाज को सशक्त और नैतिक बनाने की जरूरत'

संवादसूत्र, अमेठी : रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में प्राचार्य डा. त्रिवेणी सिंह ने जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त एवं नैतिक बनाने की जरूरत है। बौद्धिक सत्र में जल संवाद गोष्ठी में डा. अर्जुन पांडेय ने कहा कि जिस पानी को भारत में देवता एवं नदियों को मां कहा गया है आज पानी को बाजार की वस्तु बनाकर बेचा एवं खरीदा जा रहा है। क्षेत्र की मालती एवं उज्जयिनी नदियों का अस्तित्व खतरे में है। इन नदियों के संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। डा. धनंजय सिंह ने कहा गांवों में पानी के बैंक तालाब, पोखर एवं नदियों के संरक्षण की जरूरत है। डा. संतोष कुमार सिंह, डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डा. शिप्रा सिंह, डा. देवेंद्र मिश्र, राजकुमार जायसवाल, डा. दुष्यंत प्रताप सिंह, डा. अजय कुमार सिंह, डा. शशिशेखर सिंह, डा. ओपी त्रिपाठी सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पंचायत उप चुनाव के लिए

जासं, अमेठी : ग्राम प्रधान तीन व

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

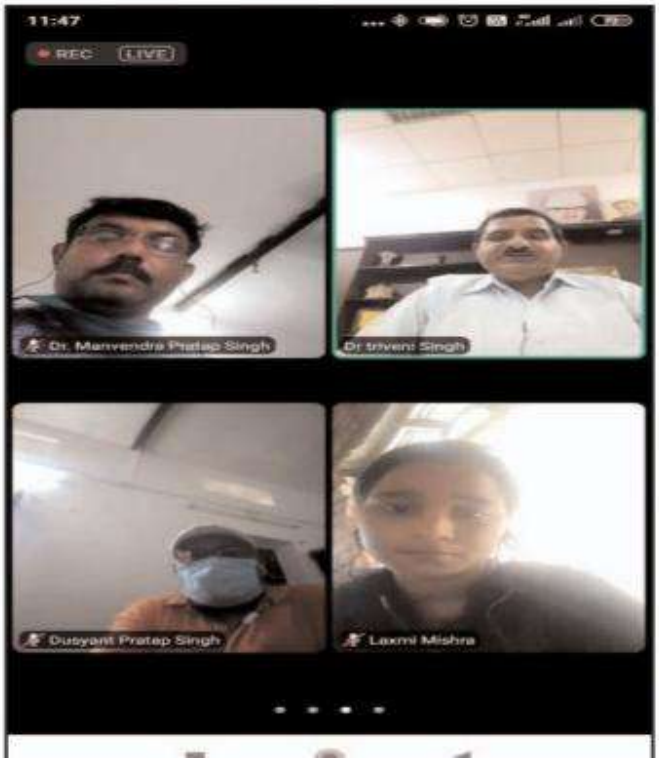

साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00-06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत दिनों में कई विषय विशेषज्ञों से सम्पर्क कर छात्राओं को आनलाइन माध्यम से उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर क्राइम से बचाव हेतु विनोद कुमार मिश्र ने आनलाइन माध्यम से बालिकाओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

रहा है यदि उनको कोई समस्या है तो उन्हे नोट कर उसका त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है, साथ- साथ प्रत्येक थाना क्षेत्र के चिन्हित हाट-स्पाट पर निरन्तर पैट्रोलिंग की जा रही है।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किये गये कार्यक्रम में साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक।

इलाहाबाद एक्सप्रेस ब्यूरो अमेठी

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

संवाददाता। अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00–10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00–12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे मला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है। साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00–06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं।

रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अमेठी
अंतू रोड़, अमेठी, उ0प्र0–227405

शारीरिक शिक्षा विभाग एवं NSS द्वारा
आयोजित पांच दिवसीय महिला आत्मरक्षा ट्रेनिगं कार्यक्रम

शारदीय नवरात्र मिशन शक्ति कार्य योजना

विषय-'बालिका स्वास्थ्य संवर्धन' पर वेविनार
दिनांक 22 अक्टूबर 2020 सुबह 10:00 से 11:30 तक

निबंध, स्लोगन, शपथ ग्रहण
कार्यक्रम सुबह 11:30 से 12:00 तक

ऑनलाइन आत्मरक्षा प्रशिक्षण
कार्यक्रम शाम 05:00 से 06:00 तक

रानी डॉ0 अमीता सिंह
सचिव

डॉ0 त्रिवेणी सिंह
प्राचार्य

डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह
कार्यक्रम प्रशिक्षक

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यक्रम अधिकारी

R.R.P.G. College, Amethi

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–02

(वर्ष 2020–21 की वार्षिक एवं विशेष शिविर आख्या)

कार्यक्रमाधिकारी–डॉ0 धनन्जय सिंह

डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

राष्ट्रीय सेवा योजना रिपोर्ट

सामान्य कार्यक्रम योजना

सत्र–2020–2021

आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी

इकाई–02

चयनित ग्राम–गौहनवा

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 धनन्जय सिंह

दिनांक 24.09.2020 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। प्रातः 10.00 बजे परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडारोहण हुआ एवं इसी के साथ ही एन.एस.एस. 2020–2021 सत्र का प्रारंभ हुआ। झंडारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए। स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने एन.एस.एस. के गठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं आधुनिक राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस. की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयंसेवक छात्रों को अनुशासित होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों का निराकरण करने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने वर्तमान परिवेश को स्वस्थ रखने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के समान अन्य समाज निर्माण के कार्यक्रम चलाए जाने की बात की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना को स्वामी विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अनुप्राणित बताते हुए युवाओं का आवाहन किया कि वे भी इनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु आगे आएँ। अन्त में द्वितीय इकाई के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

दिनांक 02.10.2020 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गयी। सभी स्वयंसेवक पूरे शहर में हाथों में तख्तियाँ लेकर प्रभातफेरी निकाली। प्रभात फेरी के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात महाविद्यालय के मालवीय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महात्मा गांधी और 'जय–जवान, जय–किसान' का नारा देने वाले स्व0 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विशद चर्चा हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक अंकित, सचिन, शुभम, साक्षी द्विवेदी आदि ने स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने दोनों महापुरूषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता को अपने स्वभाव में अंगीकार करने का आवाहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 पवन पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह, डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 शिप्रा सिंह ने भी स्वच्छता के माध्यम से अनकूलतम पर्यावरण बनाए रखने की आवश्यकता बतायी। प्राचार्य के साथ सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने परिसर की सफाई की एवं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता के साथ ही दिनचर्या की शुरूआत करने की प्रतिबद्धता जतायी।

दिनांक 17.10.2020 को सभी स्वयंसेवक चयनित गाँव गौहनवा गए जहाँ पर उन्होंने फावड़ा, झाड़ू लेकर गाँव में जगह–जगह स्थित नाली, हैण्डपम्प आदि की सफाई करके यह संकेत देने की कोशिश की कि ग्रामवासियों को अपने नाली घर की साफ–सफाई स्वयं करनी चाहिए।

दिनांक 18.10.2020 को चयनित ग्रामसभा में नाली की सफाई की गयी, चयनित गाँव गौहनवा में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अधिक संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित हुए। मद्यपान से होने वाली क्षति को स्पष्ट करते हुए स्वयं सेवक मनीष बरनवाल इकाई–1 ने ग्रामवासियों को मद्यपान न करने का सुझाव दिया। पिंकी मौर्या स्वयं सेवक इकाई 1 ने मद्यपान को अभिशाप बताया एवं सभी मद्यपान में लिप्त लोगों को मद्यपान न करने का संकल्प लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से आप केवल अपना ही स्वास्थ्य नहीं बल्कि अपने बच्चों का एवं आने वाली पीढ़ी का भी स्वास्थ्य ठीक रख सकते हैं। ग्रामवासियों ने मद्यपान का विरोध करने का संकल्प भी लिया।

दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को चयनित ग्राम गौहनवा में वृक्षारोपण हेतु थालों का निर्माण करके, 21 अक्टूबर, 2020 को वृक्षारोपण किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण करने के साथ–साथ पूरे ग्राम में भ्रमण करके विभिन्न टोलियों में विभक्त हो करके ग्रामवासियों को वृक्षारोपण से होने वाले लाभ से परिचित कराया। वृक्षारोपण के पश्चात स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों से थालों में रोपित पौधों को आवश्यक खाद–पानी के माध्यम से पोषण करने एवं संरक्षित करने का निवेदन किया। सभी स्वयंसेवक वृक्षारोपण के पश्चात सूक्ष्म जलपान करके वापस लौट आए।

दिनांक 26 अक्टूबर, 2020 एवं 28 अक्टूबर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों ने चयनित ग्राम का भ्रमण कर विभिन्न टोलियों में विभक्त होकर साक्षरता प्रसार हेतु ग्रामवासियों को जागरूक किया और गांव की कुछ महिलाओं को अपना हस्ताक्षर करने के लिए प्रशिक्षित भी किया।

दिनांक 5 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में सड़क मरम्मत का कार्य किया गया।

दिनांक 6 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में साफ–सफाई के प्रति सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 7 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में स्वयंसेवकों द्वारा सामाजिक समस्याओं के प्रति दीवालों पर स्लोगन लेखन का कार्य किया गया।

पुनः 9 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ग्रामवासियों से मिलकर मलिन बस्तियों के सफाई अभियान के प्रति उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्रात की गयी एवं सुझाव भी दिया गया और एड्स जागरूकता रैली निकाली गयी।

इसी क्रम में दिनांक 24 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में ग्राम प्रधान के साथ मिलकर सभी स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को एकत्रित कर स्वच्छ पेय जल की प्राप्ति एवं संरक्षण विषय पर परिचर्चा की गयी।

दिनांक 26 नवम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डा0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया।

दिनांक 27 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में पुनः सड़क मरम्मत का कार्य पूर्ण किया गया।

दिनांक 1 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्रामसभा में अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर रैली व समारोह सम्पन्न किया गया।

दिनांक 03 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर से लेकर शहर तक एक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली के दौरान मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह देखा गया। कई मतदाताओं द्वारा इस बार अवश्य मतदान करने का आश्वासन भी दिया गया। रैली के बाद महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागी स्वयंसेवकों ने बड़े रोचक ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेवक अंकिता तिवारी ने चुनाव आयोग द्वारा अपेक्षित विषय प्रत्येक मत की महत्ता' पर अपने विचार विस्तार से रखा। स्वयंसेविका पिंकी मौर्या, अंकित राव ने अपने गाँव में मतदाताओं के मतदान करने के फैसले से लोगों को अवगत कराया।

दिनांक 5 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया।

दिनांक 7 दिसम्बर, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं की मलिन बस्तियों की सफाई किया गया।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा सफाई पर जागरूकता रैली निकाली गयी।

दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं में नालियों की सफाई की गयी।

दिनांक 18 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय परिसर में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया। स्वयंसेवक कृष्ण कुमार ने पूरे विश्व को गाँव मानकर प्रकृति का अनुकूलतम उपयोग करके मनुष्य के हितों की रक्षा करने की बात की।

दिनांक 21 दिसम्ब्र, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने–अपने चयनित ग्राम सभाओं में जाकर सड़क निर्माण का कार्य किया गया।

दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम गौहनवा में सभी स्वयंसेवकों ने कुओं के आस–पास साफ–सफाई की। छात्रों ने झाड़ू, फावड़ा आदि साधनों से कुओं को साफ करने का काम किया। कुओं को साफ करने के दौरान ग्रामवासियों ने कुछ कुओं के प्रयोग में न होने की सूचना दिया जिस पर स्वयंसेवकों ने कहा कि अप्रयुक्त कुआँ होने के बाद भी उसकी सफाई की जानी चाहिए क्योंकि कुएँ के आस–पास की गन्दगी वहीं तक सीमित न होकर पूरे सामाजिक वातावरण को गन्दा करती है।

दिनांक 9 जनवरी, 2021 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने चयनित ग्राम सभाओं में मद्यपान निषेध पर रैली के माध्यम से ग्राम वासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 जनवरी, 2021 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'युवा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने युवाओं से विवेकानन्द जी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आवाहन किया। वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों पर चलकर करने हेतु युवाओं को प्रेरित किया। उक्त अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0प्रोफे0 डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने स्वामी जी के सूत्र वाक्य 'उठो, जागो और आगे बढ़ो' पर अपना विस्तृत विचार व्यक्त किया।

उक्त अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को 'वित्तीय साक्षरता अभियान' के अन्तर्गत 'कैशलेश योजना' से अवगत कराया गया एवं उन्हें अमेठी शहर में जाकर दुकानदार को इस योजना से ही भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक वालन्टियर अपने ग्राम मुहल्ले में कम से कम दस परिवारों को कैशलेश योजना के लाभों की जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह एवं डॉ0 शिप्रा सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वयंसेवक अंकित एवं नरगिस ने संयुक्त रूप से किया।

दिनांक 25 जनवरी, 2021 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रैली निकाली गयी एवं मतदाता जागरूकता समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी ग्रामवासियों को ''पहले मतदान–फिर कोई काम'' का संकल्प दिलाया गया।

दिनांक 28 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय में रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 30 जनवरी, 2021 को पुनः चयनित ग्रामसभा में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राएं वृक्षारोपण थालों का निर्माण और दिनांक 03 फरवरी, 2021 को चयनित ग्राम सभाओं में वृक्षारोपण किया गया।

दिनांक 05 फरवरी, 2021 चयनित ग्राम सभाओं में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा साक्षरता प्रसार पर रैली निकालकर ग्रामवायियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 फरवरी, 2021 को सभी इकाइयों के स्वयं सेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा यातायात के संदर्भ में एक जागरूकता अभियान चलाया गया और एक रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

अवगत कराना है कि आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयाँ सामान्य कार्यक्रम के अतिरिक्त समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संचालन कुशलतापूर्वक करती रही है।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य
प्राचार्य
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमेठी (उ0प्र0)

(डॉ0 धनंजय सिंह)
कार्यक्रमाधिकारी
कार्यक्रमाधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
आर0आर0पी0जी0कालेज, अमेठी

2021/03/25 09:42

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय युवा दिवस/सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशेष शिविर रिपोर्ट 2020–2021

(तिथि–21.03.2021 से 27.03.2021 तक)

चयनित ग्राम–गौहनवा

शिविर स्थल–प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी

इकाई–2

आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी

प्रथम दिवस (दिनांक 21.03.2021 उद्घाटन समारोह)

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 धनन्जय सिंह

दिनाँक 21 मार्च, 2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष साप्ताहिक शिविर प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी में प्रारम्भ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, मुख्य अतिथि– उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 उमेश सिंह, डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह, डॉ0 विजय कुमार सिंह, डॉ0 धनंजय सिंह, डा0 ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी के प्रबन्धक श्री देवमणि तिवारी एवं समस्त शिक्षक महानुभाव उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती एवं महाविद्यालय के संस्थापक राजर्षि रणंजय सिंह की प्रतिमा पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह एवं उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। इस अवसर पर शिविरार्थी कु0 पिंकी एवं साक्षी ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। तत्पश्चात वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने

शिविर में आये हुए अतिथियों का स्वागत स्वागत भाषण के माध्यम से किया। स्वागत भाषण के दौरान ही डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने अपने अनुभवों के माध्यम से शिविरार्थियों को पूर्व में आयोजित शिविर एवं पूर्व के कुछ शिविरार्थियों के अनुशासन के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ इस शिविर में रहकर शिविरार्थी किस तरह से समाज–निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं इसको भी रेखांकित किया।

शिविरार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसको कि अतिथियों ने बहुत सराहा। महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0 प्रोफेसर डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डाला तथा इन सात दिनों में चयनित ग्राम में जाकर ग्रामवासियों को विभिन्न समस्याओं से परिचित कराकर उनका समाधान अपने स्तर पर करने की अपील की। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने ज्वलन्त सामाजिक समस्या दहेजप्रथा एवं कन्या भ्रूणहत्या, बाल–विवाह रोकने हेतु शिविरार्थियों का आह्वान किया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने जलसंचयन एवं आवश्यकतानुसार प्राकृतिक सम्पदाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के असि0 प्रोफे0 डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं एवं उनके समाधान के प्रति शिविरार्थियों में जागरूकता पैदा किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने ओजस्वी भाषण के माध्यम से छात्रों को विवेकानन्द के व्यक्तित्व से प्रेरित होकर राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने कृषि प्रधान देश होने के बाद भी कृषि की दयनीय स्थिति पर अपनी चिन्ता व्यक्त की एवं विभिन्न माध्यमों से कृषि को उन्नत करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित एवं संकल्पित कराया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर के इस सत्र मुख्य अतिथि डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की ऐतिहासिक विवेचन प्रस्तुत किया। एवं विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से शिविरार्थियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के व्यक्तित्त्व से प्रेरित होकर समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने

हेतु संकल्पित किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्र वाक्य, बैज एवं चिन्ह के उद्‌गम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिविर में सात दिन तक सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रमोंपरान्त उद्‌घाटन सभा में उपस्थित अतिथियों, ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शिविर के प्रथम दिन के सायंकालीन सत्र में चारों इकाईयों के शिविरार्थियों ने अपने–अपने कार्यक्रमाधिकारी के निर्देशन में सप्ताह भर में चयनित ग्राम में होने वाली गतिविधियों एवं सायंकालीन सत्र में होने वाले कार्यक्रमों, गोष्ठियों के बारे में विवरण भी तैयार किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

दूसरा दिवस (22.03.2021)

दिनांक 22.03.2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी के राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने शिविर स्थल के आस पास साफ–सफाई किया। पूर्वाह्नसत्र में शिविरार्थियों ने पंक्तिबद्ध होकर चयनित ग्राम गौहनवा में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। शिविरार्थी रैली के दौरान अपने हाथों में स्लोगन लिखित पोस्टर, बैनर एवं तख्तियाँ लिए हुए थे। रौली के दौरान सभी ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपने–अपने ढंग से बातचीत के माध्यम से समझा रहे थे। उक्त अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा विभिन्न प्रश्न भी पूछे गए जिनका सन्तोषजनक उत्तर देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें सन्तुष्ट करने का प्रयास किया। कुछ ग्राम के मतदाताओं ने मतदान करने से होने वाले फायदे के बारे में पूछा एवं मतदान न करने हेतु अपने कारण भी बताए जिसका उत्तर कुशलतापूर्वक देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें मतदान के माध्यम से ही अपने इच्छुक अभ्यर्थी का चुनाव करके सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील की। अन्त में ग्रामवासियों ने सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया कि उन्होंने ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपना समय निकालकर ग्राम में विचरण किया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने प्रथम सत्र की रैली में पूछे गए प्रश्नों एवं ग्रामवासियों में मतदान हेतु शिथिलता के बारे में गम्भीरतापूर्वक विचार किया, एवं मतदाता जागरूकता हेतु अन्यकार्यक्रम किए जाने की प्रतिबद्धता भी जतायी।

सायंकालीन सत्र में शिविर स्थल पर मतदाता जागरूकता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापक एवं क्षेत्र के अनेक नागरिक सम्मिलित हुए। गोष्ठी की शुरूआत ईशवन्दना एवं सरस्वती वन्दना से हुई। तदोपरान्त कार्यक्रमोधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों ने प्रातःकालीन रैली में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित समस्याओं की ओर अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया। स्वयंसेवक अभयराज ने मतदाता जागरूकता के अभियान की सफलता की वकालत की। उन्होंने मतदाता जागरूकता के कार्यक्रमों के कारण इस वर्ष होने वाले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना व्यक्त की जो कि

जागरूकता अभियान की सफलता की ओर इशारा करता है। स्वयंसेविका प्रिया ने महिलाओं का आवाह्न किया कि महिलाएँ मतदान में भाग लेकर देश की तस्वीर बदलने का काम कर सकती हैं। तत्पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उपस्थित ग्रामवासियों में मतदान हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी देने की अपील की। उन्होंने विगत वर्षों में हुए मतदान में मतदान प्रतिशत को सामने रखकर केवल आधी आबादी द्वारा ही सरकारें गठित होने पर अपनी चिन्ता व्यक्त की। एवं इस मतदान प्रतिशत को हर स्थिति में प्रत्येक चुनाव में बढ़ाए जाने हेतु प्रेरित किया। ग्राम प्रधान ने ग्रामवासियों को उपलब्ध कराए गए योजनाओं के प्रकाश में मतदाताओं को अधिक अच्छी सरकार गठित करके अन्य लाभकारी योजना लाने हेतु मतदान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आवाह्न किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के ग्रामवासी का नामांकन होना चाहिए अगर किसी को नामांकन कराने में कोई परेशानी हो तो लेखपाल, बी0एल0ओ0 से सम्पर्क करके फार्म 6 भरकर नामांकन करवा सकता है। बी0एल0ओ0 प्रतिदिन ग्राम में आते हैं। आवश्यकता है कि वंचित ग्रामवासी उनसे सम्पर्क अवश्य करें। गोष्ठी के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्रवाक्य "Not Me But You" की विशद व्याख्या की एवं प्रत्येक मत को महत्त्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्र निर्माण में योग्य उम्मीदवारों का चयन करके भागीदार बनने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनन्जय सिंह ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह आश्वासन दिया कि मतदाता जागरूकता हेतु पुनः चयनित ग्राम में जाकर छूटे हुए मतदाताओं का नामांकन कराया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योज
NOT ME BUT YOU
SWACHH BHARAT MISSION
2021-03-23 12:10

राष्ट्रीय सेवा योज
YOU
महाविद्यालय
2021-03-23 12:09

तीसरा दिवस (23.03.2021)

दिनांक 23.03.2021 को सभी स्वयंसेवक शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित होकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों के साथ प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। स्वयं सेवक शुभम् कश्यप इकाई प्रथम ने सभी स्वयं सेवक एवं उपस्थित जनसमुदाय से संकल्प लेकर बाल–विवाह, मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का समाधान करने की अपील की। इकाई तीन के स्वयंसेवकों ने लघुनाटिका प्रस्तुत की जिसका विषय था 'लोकतन्त्र की महत्ता'। उक्त कार्यक्रम अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। साथ ही साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने सभी स्वयंसेवको को सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

सायंकालीन सत्र में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें सभी शिविरार्थी, कार्यक्रमाधिकारी एवं विशिष्टजन उपस्थित हुए। मद्यपान निषेध की आवश्यकता पर बल देते हुए मद्यपान के भयावह स्वरूप पर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने विस्तृत चर्चा की। उक्त गोष्ठी में ग्राम प्रधान ने पूरी ग्रामसभा को मद्यपान से मुक्त कराने का संकल्प लिया एवं इस कार्यक्रम हेतु सभी कार्यक्रमाधिकारियों, शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 सीमा सिंह ने महिलाओं से अपील की कि मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का निदान महिलाएँ घर के सदस्यों को समझाकर जागरूककर एवं अपना विरोध ज्ञापित करके अच्छी तरह से कर सकती हैं। घर एवं समाज के परिवेश का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है इसीलिए लोगों को कोई भी ऐसा व्यसन नहीं करना चाहिए जिससे वे अपने बच्चों का भविष्य खराब करने में भागीदार बने। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने मद्यपान से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालते हुए अपील की कि हम सब लोगों को मिलकर स्वस्थ वातावरण पैदाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने उक्त व्यसन पर होने वाले धन की हानि एवं स्वास्थ्य क्षति पर विशेष रूप से लोगों का ध्यानाकर्षण किया।

बच्चों के अधिकार

चौथा दिवस (24.03.2021)

दिनांक 24.03.2021 को स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के रूप में चयनित ग्राम में पंक्तिबद्ध होकर एक रैली निकाली। सभी स्वयंसेवक स्वच्छता जागरूकता से संबंधित नारे लिखित तख्तियाँ हाथों में लिए हुए थे। सभी स्वयंसेवकों ने गली, सड़क, कुएँ, हैण्डपाइप के आस–पास फैली हुई गन्दगी को झाड़ू, फावड़ा से साफ किया एवं उपस्थित ग्रामवासियों को स्वच्छता की महत्ता बताते हुए उन्हें स्वयं ही साफ–सफाई करने को उद्यत किया। गाँव वालों ने कहा कि एक दिन साफ करने से क्या होगा प्रतिदिन आकर साफ–सफाई करिए। इस पर स्वयंसेवकों ने सन्तोषजनक उत्तर देते हुए कहा कि हम लोग सांकेतिक रूप से साफ–सफाई कर रहे हैं। अगर आप लोगों को यह मालूम है कि प्रतिदिन साफ–सफाई होनी चाहिए इसका अर्थ है कि साफ–सफाई स्वच्छता करना अच्छा कार्य है और अच्छे कार्य को करने के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनन्जय सिंह ने स्वच्छता के माध्यम से स्वस्थ वातावरण बनाकर अनेक गन्दगी जनित समस्याओं का निदान करने हेतु ग्रामवासियों से बात भी किया।

सायंकालीन सत्र में 'पर्यावरण जागरूकता', पर एक संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें सभी शिविरार्थी ग्रामवासी एवं महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक उपस्थित हुए। गोष्ठी में बोलते हुए आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी के रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह ने पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले कारकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने पर्यावरण को बचाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उपस्थित लोगों को मृदा–संरक्षण, जल संसाधन का समुचित उपयोग एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित करने की अपील की। इसी क्रम में विशेष आमन्त्रित अतिथि डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय अध्यक्ष, भूगोल विभाग, आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी ने जल बचाओ आन्दोलन में स्वयं द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि जलसंकट वर्तमान समय की सबसे विकट समस्या बनता जा रहा है जिसको रोकने की चुनौती समाज के सामने है। उन्होंने विश्वस्तर पर होने वाले ग्लोबल वार्मिंग की तरफ भी सबका ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी के समापन अवसर पर

कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए, पर्यावरण, संरक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवायोजना के स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

पॉचवा दिवस (25.03.2021)

दिनांक 25.03.2021 को इकाई–2 के शिविरार्थियों के बीच एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ''। प्रतियोगिता में सभी शिविरार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरान्त प्रतिभागियों के निबन्ध का मूल्यांकन कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनन्जय सिंह द्वारा किया गया। मूल्यांकन के पश्चात प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया जिनका नाम निम्नवत है–

1–	सौरभ	प्रथम स्थान	द्वितीय इकाई
2–	नवीन कुमार	द्वितीय स्थान	द्वितीय इकाई
3–	शिवम् पाल	तृतीय स्थान	द्वितीय इकाई

अल्पकाल के विश्राम के बाद सभी शिविरार्थी पुनः एकत्रित हुए एवं चयनित ग्राम गौहनवा में वृक्षारोपण विषय पर लिखित तख्तियों, पट्टिकाओं के साथ रैली निकाली। रैली के दौरान अधिकांश, ग्रामवासी जगह–जगह खड़े होकर स्लोगन को पढ़ रहे थे। कई जगह एकत्रित व्यक्तियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों ने वृक्षारोपण के महत्व को समझाया एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। इस सत्र में चयनित ग्राम गौहनवा में स्वयंसेवकों द्वारा रोपित पौधों का अवलोकन भी किया एवं कुछ पौधों के सूखने के कारणों पर विचार भी किया। रैली से वापस आने के बाद सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित हुए जहाँ पर उनके द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों को बताया गया। प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के नाम की भी घोषणा की गयी। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागियों की कापी को अन्य प्रतिभागियों को भी दिखाया गया जिससे कि वे अपनी तुलना उन चयनित प्रतिभागियों से कर सके और अपनी गलतियों को सुधारकर व्यक्तित्व निर्माण कर सके। प्रत्येक छात्र के निबंध लेखन की गलतियों को कार्यक्रमाधिकारी द्वारा इंगित करके उन्हें दूर करने के तरीकों को भी बताया गया। तत्पश्चात चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया जिससे कि उनका उत्साहवर्धन हो सके एवं अन्य प्रतिभागी भी अपने अगले प्रयास में और

अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रतिभागियों द्वारा अध्ययन के समय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखते समय आने वाली समस्याओं के बारे में भी प्रश्न पूछा गया जिसका उत्तर सहज ढंग से महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास के असि0 प्रोफे0 डॉ0 राधेश्याम सरोज ने दिया जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त सन्तुष्ट दिखे। प्रथम इकाई के स्वयंसेवक रविशंकर मिश्र ने लिखते समय मस्तिष्क में आ रहे विचारों के गायब होने के बारे में प्रश्न किया जो कि अनेक छात्रों के साथ होता है। इस प्रश्न का उत्तर महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अक्षयवर नाथ तिवारी ने यह कहकर दिया कि जब छात्र में आत्मविश्वास का अभाव होता है और विचारों को क्रमबद्ध ढंग से मस्तिष्क में व्यवस्थित नहीं कर पाता है तो इस तरह की समस्या आती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि छात्र अध्ययन के समय विचारों को व्यवस्थित करके अपने भी विचार शामिल करे और साथ ही साथ यह आत्मविश्वास भी पैदा करे कि वह अपने विचारों को दृढ़ता के साथ स्थापित कर सकता है। अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों को आभार ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी चाय पीने हेतु पंक्तिबद्ध हो गए जहाँ पर उन्हें बिस्किट, हलुआ एवं चाय प्रदान किया गया।

षष्टम दिवस (26.03.2021)

दिनांक 26.03.2021 को चयनित ग्राम गौहनवा में स्वच्छता जागरूकता पर कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनन्जय सिंह के निर्देशन में शिविरार्थियों द्वारा एक रैली निकाली गयी। रैली के दौरान टोली नायकों ने अनुशासित होकर अपने–अपने टोली के सदस्योंको व्यवस्थित रूप में ग्राम भ्रमण कर रहे थे जिसके लिए ग्रामवासी घरों से निकलकर बाहर काफी देर तक खड़े रहे एवं वे शिविरार्थियों के हाथों में उपलब्ध तख्तियों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ रहे थे। इस बार यह रैली इसलिए निकाली गयी थी कि पूर्व के दिनों में स्वच्छता के बारे में किए गए गतिविधियों के प्रभाव का मूल्यांकन हो सके कि क्या इन जागरूकता के कार्यक्रमों का प्रभाव ग्रामीणों पर पड़ रहा था या नहीं। रैली के दौरान इस बार बहुत ही सकारात्मक परिणाम पाया गया। हैण्डपम्प, नाली, रास्तों, कुओं के आस–पास पिछली बार की अपेक्षा अधिक साफ–सफाई देखी गयी। जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त उत्साहित एवं खुश दिखे। अन्त में सभी शिविरार्थी पंक्तिबद्ध होकर ही वापस शिविर स्थल पहुँचे जहाँ पर एक स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता 'साक्षरता' विषय पर करायी गयी। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता अनेक आकर्षक स्लोगन से प्रथम तीन स्थान प्राप्त छात्रों का चयन भी किया गया जिन्हें शिविर के अन्तिम दिन पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी।

बौद्धिक कार्यक्रम में शाम को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था– ''भ्रष्टाचार में युवाओं की भूमिका''। यह ऐसा विषय है जिस पर युवाओं की देश के प्रति सोच से परिचित हुआ जा सके। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने युवाओं की भूमिका पर विचार रखने के साथ–साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रयासों की प्रशंसा भी की। प्रथम इकाई के छात्र शुभम् कश्यप ने बड़े ही रोचक ढंग से युवाओं की शिथिलता को प्रस्तुत करते हुए उन्हें उत्साहित होकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपना सक्रिया योगदान देने की अपील की। अन्य प्रतिभागी सरिता तिवारी ने विवेकानन्द के व्यक्तित्व को सामने रखकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात की। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के सदस्यों – कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द

सिंह, महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ0 आशीष शुक्ल एवं कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 आनन्द सिंह ने पूरे विश्व में भारत के युवाओं की सराहना की कि हमारे देश का युवा सबसे अधिक ऊर्जावान है। अन्य देशों में युवा अवसादग्रस्त हो रहे हैं। जबकि हमारे देश के युवा तथाकथित विकास के आधुनिक प्रतिमानों से दूर होने के कारण अधिक ऊर्जावान एवं उत्साहित हैं। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने चाय, नाश्ता ग्रहण किया। अन्तिम कार्यक्रम के रूप में सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन शिविरार्थियों द्वारा किया गया। जिसमें दहेजप्रथा, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता आदि के बारे में एक संगीत, नृत्य, समूह गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। उसके बाद सभी शिविरार्थी रात्रि भोजन व्यवस्था में लग गए।

बेटी को मत समझो भार
जीवन का है यह आधार
दहेज प्रथा है एक अभिशाप
Save Me

राष्ट्रीय सेवा योजना
विशेष शिविर

सप्तम दिवस (27.03.2021) समापन समारोह

शिविर के अन्तिम दिन दिनांक 27.03.2021 को नाश्ता करने के बाद सभी शिविरार्थी चयनित ग्राम गौहनवा में साक्षरता जागरूकता पर रैली हेतु पंक्तिबद्ध हुए। रैली टोली नायकों के निर्देशन में अनुशासित होकर रैली गाँव भर में भ्रमण की। रैली के समय सभी शिविरार्थी हाथों में हस्तलिखित पट्टिकाएँ लिए हुए थे। पट्टिकाओं पर लिखे हुए बहुत ही आकर्षक एवं अर्थपूर्ण थे जिसे ग्रामवासियों द्वारा तल्लीनता से पढ़ा जा रहा था। ग्रामवासियों ने चयनित ग्राम रतनसिरा में इतने अधिक जागरूकता का कार्यक्रम करने के लिए शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी चारों इकाई के शिविरार्थी शिविर के समापन समारोह हेतु एकत्रित हुए। समापन समारोह में आर.आर.पी. जी. कालेज के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह जन्तु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मलखान सिंह, पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 अक्षयवरनाथ तिवारी, अंग्रेजी विभाग के डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी, समापन कार्यक्रम के प्रारंभ में इकाई तीन के स्वयंसेवकों की तरफ से अंकित राव एवं स्वयंसेविकाओं की तरफ से साक्षी द्विवेदी ने साप्ताहित शिविर में संचालित गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह ने अपने संबोधन में सभी शिविरार्थियों से अपील की कि शिविरार्थियों को शिविर एवं चयनित ग्रामों में किए गए गतिविधियों का अनुसरण व्यक्तिगत जीवन में करना चाहिए एवं चौबीस घंटे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु तैयार होना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु स्वयंसेवकों से भ्रष्टाचार में लिप्त न होने एवं लिप्त भ्रष्टाचारियों को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करके अपना विरोध व्यक्त करने का आवाहन किया। विद्यालय के प्राध्यापक राजीव सिंह ने अपना संस्मरण सुनाया एवं अपने व्यक्तित्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने शिविरार्थियों के लगन एवं अनुशासन की बार–बार प्रशंसा की। कालेज के शिक्षक श्री राजमणि तिवारी ने स्वच्छता एवं साक्षरता के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। आर.आर.पी.जी. कालेज के

प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवायोजना के उद्देश्यों को शत–प्रतिशत सफल करके व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय सहयोग देने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात साप्ताहिक शिविर में सम्पन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सांकेतिक रूप से पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागी अधोलिखित हैः–

अ. भाषण प्रतियोगिता

प्रथम ऋचा 2 इकाई

द्वितीय प्रिया गुप्ता 2 इकाई

ब. स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता

प्रथम – योगेश कुमार जोरिया 2 इकाई

द्वितीय – धीरज 2 इकाई

स. गीत–गायन प्रतियोगिता

प्रथम– सोनल यादव 2 इकाई

द्वितीय– दीपान्जलि 2 इकाई

द. विशेष शिविर नायक अंकित राव 1 इकाई

शिविर नायक छात्र हेमन्त कुमार 2 इकाई

छात्रा–उपासना शुक्ला 2 इकाई

समापन समारोह के अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने सभी अतिथियों इण्टरमीडिएट कालेज के प्राचार्य, प्रबंधक शिविरार्थियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया कि सब लोगों ने कैम्प में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी भावुक होकर अपने सामान की पैकिंग करके समाज निर्माण करने के उद्देश्य से अपने घरों को वापस चले गए।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 धनंजय सिंह)
कार्यक्रमाधिकारी

RANJAY POST GRADUATE COLLEGE, AM

गई। वहां सर्द हवाएं लोगों को परेशान कर रही थी।

शनिवार की सुबह पूरी तरह से कोहरा छाया रहा। वहीं सर्दी अपने पूरे रौ में दिखी। ठंड से पूरा जिला कांपता नजर आया। पारा दस डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया।

'समाज को सशक्त और नैतिक बनाने की जरूरत'

संवादसूत्र, अमेठी : रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में प्राचार्य डा. त्रिवेणी सिंह ने जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त एवं नैतिक बनाने की जरूरत है। बौद्धिक सत्र में जल संवाद गोष्ठी में डा. अर्जुन पांडेय ने कहा कि जिस पानी को भारत में देवता एवं नदियों को मां कहा गया है आज पानी को बाजार की वस्तु बनाकर बेचा एवं खरीदा जा रहा है। क्षेत्र की मालती एवं उज्जयिनी नदियों का अस्तित्व खतरे में है। इन नदियों के संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। डा. धनंजय सिंह ने कहा गांवों में पानी के बैंक तालाब, पोखर एवं नदियों के संरक्षण की जरूरत है। डा. संतोष कुमार सिंह, डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डा. शिप्रा सिंह, डा. देवेंद्र मिश्र, राजकुमार जायसवाल, डा. दुष्यंत प्रताप सिंह, डा. अजय कुमार सिंह, डा. शशिशेखर सिंह, डा. ओपी त्रिपाठी सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पंचायत उप चुनाव के लिए

जासं, अमेठी : ग्राम प्रधान तीन व

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

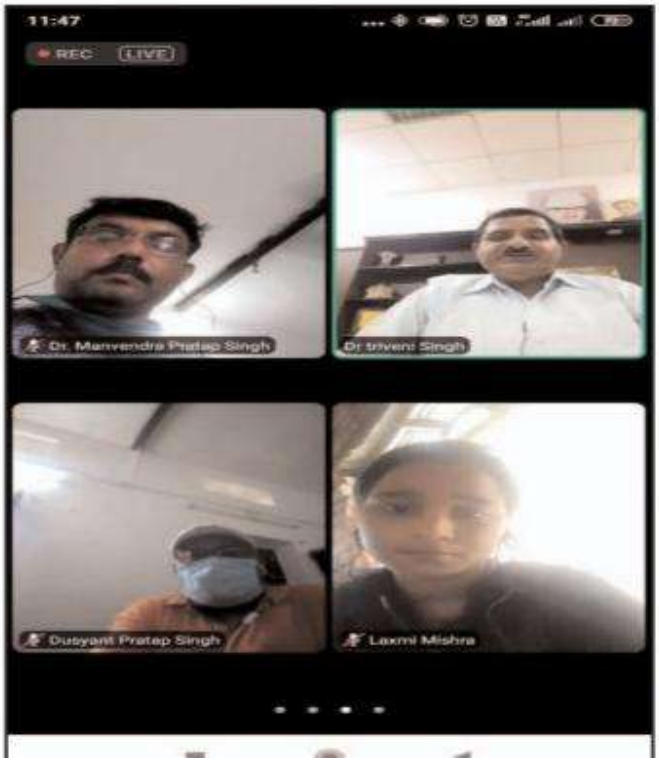

साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00-06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत दिनों में कई विषय विशेषज्ञों से सम्पर्क कर छात्राओं को आनलाइन माध्यम से उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर क्राइम से बचाव हेतु विनोद कुमार मिश्र ने आनलाइन माध्यम से बालिकाओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

रहा है यदि उनको कोई समस्या है तो उन्हे नोट कर उसका त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है, साथ- साथ प्रत्येक थाना क्षेत्र के चिन्हित हाट-स्पाट पर निरन्तर पैट्रोलिंग की जा रही है।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किये गये कार्यक्रम में साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक।

इलाहाबाद एक्सप्रेस ब्यूरो अमेठी

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

संवाददाता। अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00–10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00–12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे मला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है। साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00–06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं।

रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अमेठी
अंतू रोड़, अमेठी, उ0प्र0–227405

शारीरिक शिक्षा विभाग एवं NSS द्वारा
आयोजित पांच दिवसीय महिला आत्मरक्षा ट्रेनिगं कार्यक्रम

शारदीय नवरात्र मिशन शक्ति कार्य योजना

विषय-'बालिका स्वास्थ्य संवर्धन' पर वेविनार
दिनांक 22 अक्टूबर 2020 सुबह 10:00 से 11:30 तक

निबंध, स्लोगन, शपथ ग्रहण
कार्यक्रम सुबह 11:30 से 12:00 तक

ऑनलाइन आत्मरक्षा प्रशिक्षण
कार्यक्रम शाम 05:00 से 06:00 तक

रानी डॉ0 अमीता सिंह
सचिव

डॉ0 त्रिवेणी सिंह
प्राचार्य

डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह
कार्यक्रम प्रशिक्षक

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यक्रम अधिकारी

R.R.P.G. College, Amethi

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–03

(वर्ष 2020–21 की वार्षिक एवं विशेष शिविर आख्या)

कार्यक्रमाधिकारी–डॉ0 देवेन्द्र मिश्र

डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

राष्ट्रीय सेवा योजना रिपोर्ट

सामान्य कार्यक्रम योजना

सत्र–2020–2021

आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी

इकाई–03

चयनित ग्राम–तिवारीपुर

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 देवेन्द्र मिश्र

दिनांक 24.09.2020 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। प्रातः 10.00 बजे परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडारोहण हुआ एवं इसी के साथ ही एन.एस.एस. 2020–2021 सत्र का प्रारंभ हुआ। झंडारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए। स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने एन.एस.एस. के गठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं आधुनिक राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस. की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयंसेवक छात्रों को अनुशासित होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों का निराकरण करने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने वर्तमान परिवेश को स्वस्थ रखने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के समान अन्य समाज निर्माण के कार्यक्रम चलाए जाने की बात की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना को स्वामी विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अनुप्राणित बताते हुए युवाओं का आवाहन किया कि वे भी इनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु आगे आएँ। अन्त में द्वितीय इकाई के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

दिनांक 02.10.2020 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गयी। सभी स्वयंसेवक पूरे शहर में हाथों में तख्तियाँ लेकर प्रभातफेरी निकाली। प्रभात फेरी के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात महाविद्यालय के मालवीय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महात्मा गांधी और 'जय–जवान, जय–किसान' का नारा देने वाले स्व0 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विशद चर्चा हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक मिथलेश, धीरज अग्रहरि, सुनील मौर्य आदि ने स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने दोनों महापुरूषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता को अपने स्वभाव में अंगीकार करने का आवाहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 पवन पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह, डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 शिप्रा सिंह ने भी स्वच्छता के माध्यम से अनकूलतम पर्यावरण बनाए रखने की आवश्यकता बतायी। प्राचार्य के साथ सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने परिसर की सफाई की एवं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता के साथ ही दिनचर्या की शुरूआत करने की प्रतिबद्धता जतायी।

दिनांक 17.10.2020 को सभी स्वयंसेवक चयनित गाँव तिवारीपुर गए जहाँ पर उन्होंने फावड़ा, झाड़ू लेकर गाँव में जगह–जगह स्थित नाली, हैण्डपम्प आदि की सफाई करके यह संकेत देने की कोशिश की कि ग्रामवासियों को अपने नाली घर की साफ–सफाई स्वयं करनी चाहिए।

दिनांक 18.10.2020 को चयनित ग्रामसभा में नाली की सफाई की गयी, चयनित गाँव तिवारीपुर में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अधिक संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित हुए। मद्यपान से होने वाली क्षति को स्पष्ट करते हुए स्वयं सेवक मनीष बरनवाल इकाई–1 ने ग्रामवासियों को मद्यपान न करने का सुझाव दिया। पिंकी मौर्या स्वयं सेवक इकाई 1 ने मद्यपान को अभिशाप बताया एवं सभी मद्यपान में लिप्त लोगों को मद्यपान न करने का संकल्प लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से आप केवल अपना ही स्वास्थ्य नहीं बल्कि अपने बच्चों का एवं आने वाली पीढ़ी का भी स्वास्थ्य ठीक रख सकते हैं। ग्रामवासियों ने मद्यपान का विरोध करने का संकल्प भी लिया।

दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को चयनित ग्राम तिवारीपुर में वृक्षारोपण हेतु थालों का निर्माण करके, 21 अक्टूबर, 2020 को वृक्षारोपण किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण करने के साथ–साथ पूरे ग्राम में भ्रमण करके विभिन्न टोलियों में विभक्त हो करके ग्रामवासियों को वृक्षारोपण से होने वाले लाभ से परिचित कराया। वृक्षारोपण के पश्चात स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों से थालों में रोपित पौधों को आवश्यक खाद–पानी के माध्यम से पोषण करने एवं संरक्षित करने का निवेदन किया। सभी स्वयंसेवक वृक्षारोपण के पश्चात सूक्ष्म जलपान करके वापस लौट आए।

दिनांक 26 अक्टूबर, 2020 एवं 28 अक्टूबर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों ने चयनित ग्राम का भ्रमण कर विभिन्न टोलियों में विभक्त होकर साक्षरता प्रसार हेतु ग्रामवासियों को जागरूक किया और गांव की कुछ महिलाओं को अपना हस्ताक्षर करने के लिए प्रशिक्षित भी किया।

दिनांक 5 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में सड़क मरम्मत का कार्य किया गया।

दिनांक 6 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में साफ–सफाई के प्रति सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 7 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में स्वयंसेवकों द्वारा सामाजिक समस्याओं के प्रति दीवालों पर स्लोगन लेखन का कार्य किया गया।

पुनः 9 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ग्रामवासियों से मिलकर मलिन बस्तियों के सफाई अभियान के प्रति उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्रात की गयी एवं सुझाव भी दिया गया और एड्स जागरूकता रैली निकाली गयी।

इसी क्रम में दिनांक 24 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में ग्राम प्रधान के साथ मिलकर सभी स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को एकत्रित कर स्वच्छ पेय जल की प्राप्ति एवं संरक्षण विषय पर परिचर्चा की गयी।

दिनांक 26 नवम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डा0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया।

दिनांक 27 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में पुनः सड़क मरम्मत का कार्य पूर्ण किया गया।

दिनांक 1 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्रामसभा में अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर रैली व समारोह सम्पन्न किया गया।

दिनांक 03 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर से लेकर शहर तक एक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली के दौरान मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह देखा गया। कई मतदाताओं द्वारा इस बार अवश्य मतदान करने का आश्वासन भी दिया गया। रैली के बाद महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागी स्वयंसेवकों ने बड़े रोचक ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेवक अंकिता तिवारी ने चुनाव आयोग द्वारा अपेक्षित विषय प्रत्येक मत की महत्ता' पर अपने विचार विस्तार से रखा। स्वयंसेविका पिंकी मौर्या, अंकित राव ने अपने गाँव में मतदाताओं के मतदान करने के फैसले से लोगों को अवगत कराया।

दिनांक 5 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया।

दिनांक 7 दिसम्बर, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं की मलिन बस्तियों की सफाई किया गया।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा सफाई पर जागरूकता रैली निकाली गयी।

दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं में नालियों की सफाई की गयी।

दिनांक 18 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय परिसर में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के कार्यक्रमाधिकारी देवेन्द्र मिश्र ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया। स्वयंसेवक शालिनी यादव ने पूरे विश्व को गाँव मानकर प्रकृति का अनुकूलतम उपयोग करके मनुष्य के हितों की रक्षा करने की बात की।

दिनांक 21 दिसम्ब्र, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने–अपने चयनित ग्राम सभाओं में जाकर सड़क निर्माण का कार्य किया गया।

दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम तिवारीपुर में सभी स्वयंसेवकों ने कुओं के आस–पास साफ–सफाई की। छात्रों ने झाड़ू, फावड़ा आदि साधनों से कुओं को साफ करने का काम किया। कुओं को साफ करने के दौरान ग्रामवासियों ने कुछ कुओं के प्रयोग में न होने की सूचना दिया जिस पर स्वयंसेवकों ने कहा कि अप्रयुक्त कुआँ होने के बाद भी उसकी सफाई की जानी चाहिए क्योंकि कुएँ के आस–पास की गन्दगी वहीं तक सीमित न होकर पूरे सामाजिक वातावरण को गन्दा करती है।

दिनांक 9 जनवरी, 2021 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने चयनित ग्राम सभाओं में मद्यपान निषेध पर रैली के माध्यम से ग्राम वासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 जनवरी, 2021 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'युवा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने युवाओं से विवेकानन्द जी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आवाहन किया। वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों पर चलकर करने हेतु युवाओं को प्रेरित किया। उक्त अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0प्रोफे0 डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने स्वामी जी के सूत्र वाक्य 'उठो, जागो और आगे बढ़ो' पर अपना विस्तृत विचार व्यक्त किया।

उक्त अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को 'वित्तीय साक्षरता अभियान' के अन्तर्गत 'कैशलेश योजना' से अवगत कराया गया एवं उन्हें अमेठी शहर में जाकर दुकानदार को इस योजना से ही भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक वालन्टियर अपने ग्राम मुहल्ले में कम से कम दस परिवारों को कैशलेश योजना के लाभों की जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह एवं डॉ0 शिप्रा सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वयंसेवक अंकित एवं नरगिस ने संयुक्त रूप से किया।

दिनांक 25 जनवरी, 2021 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रैली निकाली गयी एवं मतदाता जागरूकता समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी ग्रामवासियों को ''पहले मतदान–फिर कोई काम'' का संकल्प दिलाया गया।

दिनांक 28 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय में रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 30 जनवरी, 2021 को पुनः चयनित ग्रामसभा में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राएं वृक्षारोपण थालों का निर्माण और दिनांक 03 फरवरी, 2021 को चयनित ग्राम सभाओं में वृक्षारोपण किया गया।

दिनांक 05 फरवरी, 2021 चयनित ग्राम सभाओं में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा साक्षरता प्रसार पर रैली निकालकर ग्रामवायियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 फरवरी, 2021 को सभी इकाइयों के स्वयं सेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा यातायात के संदर्भ में एक जागरूकता अभियान चलाया गया और एक रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

अवगत कराना है कि आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयाँ सामान्य कार्यक्रम के अतिरिक्त समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संचालन कुशलतापूर्वक करती रही है।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 देवेन्द्र मिश्र)
कार्यक्रमाधिकारी

2021/03/25 09:42

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय युवा दिवस/सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशेष शिविर रिपोर्ट 2020–2021

(तिथि–21.03.2021 से 27.03.2021 तक)

चयनित ग्राम–तिवारीपुर

शिविर स्थल–प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी

इकाई–3

आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी

प्रथम दिवस (दिनांक 21.03.2021 उद्घाटन समारोह)

कार्यक्रमाधिकारी
डॉ0 देवेन्द्र मिश्र

दिनाँक 21 मार्च, 2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष साप्ताहिक शिविर प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी में प्रारम्भ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, मुख्य अतिथि– उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 उमेश सिंह, डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह, डॉ0 विजय कुमार सिंह, डॉ0 धनंजय सिंह, डा0 ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी के प्रबन्धक श्री देवमणि तिवारी एवं समस्त शिक्षक महानुभाव उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती एवं महाविद्यालय के संस्थापक राजर्षि रणंजय सिंह की प्रतिमा पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह एवं उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। इस अवसर पर शिविरार्थी अंकिता सिंह एवं वन्दना शर्मा ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। तत्पश्चात वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 डा0 मानवेन्द्र

प्रताप सिंह ने शिविर में आये हुए अतिथियों का स्वागत स्वागत भाषण के माध्यम से किया। स्वागत भाषण के दौरान ही डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने अपने अनुभवों के माध्यम से शिविरार्थियों को पूर्व में आयोजित शिविर एवं पूर्व के कुछ शिविरार्थियों के अनुशासन के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ इस शिविर में रहकर शिविरार्थी किस तरह से समाज–निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं इसको भी रेखांकित किया।

शिविरार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसको कि अतिथियों ने बहुत सराहा। महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0 प्रोफेसर डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डाला तथा इन सात दिनों में चयनित ग्राम में जाकर ग्रामवासियों को विभिन्न समस्याओं से परिचित कराकर उनका समाधान अपने स्तर पर करने की अपील की। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने ज्वलन्त सामाजिक समस्या दहेजप्रथा एवं कन्या भ्रूणहत्या, बाल–विवाह रोकने हेतु शिविरार्थियों का आह्वान किया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने जलसंचयन एवं आवश्यकतानुसार प्राकृतिक सम्पदाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के असि0 प्रोफे0 डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं एवं उनके समाधान के प्रति शिविरार्थियों में जागरूकता पैदा किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने ओजस्वी भाषण के माध्यम से छात्रों को विवेकानन्द के व्यक्तित्व से प्रेरित होकर राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने कृषि प्रधान देश होने के बाद भी कृषि की दयनीय स्थिति पर अपनी चिन्ता व्यक्त की एवं विभिन्न माध्यमों से कृषि को उन्नत करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित एवं संकल्पित कराया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर के इस सत्र मुख्य अतिथि डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की ऐतिहासिक विवेचन प्रस्तुत किया। एवं विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से शिविरार्थियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के व्यक्तित्त्व से प्रेरित होकर समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने

हेतु संकल्पित किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्र वाक्य, बैज एवं चिन्ह के उद्‌गम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिविर में सात दिन तक सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रमोंपरान्त उद्‌घाटन सभा में उपस्थित अतिथियों, ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शिविर के प्रथम दिन के सायंकालीन सत्र में चारों इकाईयों के शिविरार्थियों ने अपने–अपने कार्यक्रमाधिकारी के निर्देशन में सप्ताह भर में चयनित ग्राम में होने वाली गतिविधियों एवं सायंकालीन सत्र में होने वाले कार्यक्रमों, गोष्ठियों के बारे में विवरण भी तैयार किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

दूसरा दिवस (22.03.2021)

दिनांक 22.03.2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी के राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने शिविर स्थल के आस पास साफ–सफाई किया। पूर्वाह्नसत्र में शिविरार्थियों ने पंक्तिबद्ध होकर चयनित ग्राम तिवारीपुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। शिविरार्थी रैली के दौरान अपने हाथों में स्लोगन लिखित पोस्टर, बैनर एवं तख्तियाँ लिए हुए थे। रौली के दौरान सभी ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपने–अपने ढंग से बातचीत के माध्यम से समझा रहे थे। उक्त अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा विभिन्न प्रश्न भी पूछे गए जिनका सन्तोषजनक उत्तर देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें सन्तुष्ट करने का प्रयास किया। कुछ ग्राम के मतदाताओं ने मतदान करने से होने वाले फायदे के बारे में पूछा एवं मतदान न करने हेतु अपने कारण भी बताए जिसका उत्तर कुशलतापूर्वक देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें मतदान के माध्यम से ही अपने इच्छुक अभ्यर्थी का चुनाव करके सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील की। अन्त में ग्रामवासियों ने सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया कि उन्होंने ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपना समय निकालकर ग्राम में विचरण किया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने प्रथम सत्र की रैली में पूछे गए प्रश्नों एवं ग्रामवासियों में मतदान हेतु शिथिलता के बारे में गम्भीरतापूर्वक विचार किया, एवं मतदाता जागरूकता हेतु अन्यकार्यक्रम किए जाने की प्रतिबद्धता भी जतायी।

सायंकालीन सत्र में शिविर स्थल पर मतदाता जागरूकता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापक एवं क्षेत्र के अनेक नागरिक सम्मिलित हुए। गोष्ठी की शुरूआत ईशवन्दना एवं सरस्वती वन्दना से हुई। तदोपरान्त कार्यक्रमोधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों ने प्रातःकालीन रैली में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित समस्याओं की ओर अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया। स्वयंसेवक अभयराज ने मतदाता जागरूकता के अभियान की सफलता की वकालत की। उन्होंने मतदाता जागरूकता के कार्यक्रमों के कारण इस वर्ष होने वाले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना व्यक्त की जो कि जागरूकता

अभियान की सफलता की ओर इशारा करता है। स्वयंसेविका प्रिया ने महिलाओं का आवाह्न किया कि महिलाएँ मतदान में भाग लेकर देश की तस्वीर बदलने का काम कर सकती हैं। तत्पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उपस्थित ग्रामवासियों में मतदान हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी देने की अपील की। उन्होंने विगत वर्षों में हुए मतदान में मतदान प्रतिशत को सामने रखकर केवल आधी आबादी द्वारा ही सरकारें गठित होने पर अपनी चिन्ता व्यक्त की। एवं इस मतदान प्रतिशत को हर स्थिति में प्रत्येक चुनाव में बढ़ाए जाने हेतु प्रेरित किया। ग्राम प्रधान ने ग्रामवासियों को उपलब्ध कराए गए योजनाओं के प्रकाश में मतदाताओं को अधिक अच्छी सरकार गठित करके अन्य लाभकारी योजना लाने हेतु मतदान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आवाह्न किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के ग्रामवासी का नामांकन होना चाहिए अगर किसी को नामांकन कराने में कोई परेशानी हो तो लेखपाल, बी0एल0ओ0 से सम्पर्क करके फार्म 6 भरकर नामांकन करवा सकता है। बी0एल0ओ0 प्रतिदिन ग्राम में आते हैं। आवश्यकता है कि वंचित ग्रामवासी उनसे सम्पर्क अवश्य करें। गोष्ठी के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्रवाक्य "Not Me But You" की विशद व्याख्या की एवं प्रत्येक मत को महत्त्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्र निर्माण में योग्य उम्मीदवारों का चयन करके भागीदार बनने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनन्जय सिंह ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह आश्वासन दिया कि मतदाता जागरूकता हेतु पुनः चयनित ग्राम में जाकर छूटे हुए मतदाताओं का नामांकन कराया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योज
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्याल
SWACHH BHARAT MISSION
2021-03-23 12:10

राष्ट्रीय सेवा योज
YOU
महाविद्यालय
2021-03-23 12:09

तीसरा दिवस (23.03.2021)

दिनांक 23.03.2021 को सभी स्वयंसेवक शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित होकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों के साथ प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। स्वयं सेवक रितु सिंह इकाई तृतीय ने सभी स्वयं सेवक एवं उपस्थित जनसमुदाय से संकल्प लेकर बाल–विवाह, मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का समाधान करने की अपील की। इकाई तीन के स्वयंसेवकों ने लघुनाटिका प्रस्तुत की जिसका विषय था 'लोकतन्त्र की महत्ता'। उक्त कार्यक्रम अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। साथ ही साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने सभी स्वयंसेवको को सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

सायंकालीन सत्र में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें सभी शिविरार्थी, कार्यक्रमाधिकारी एवं विशिष्टजन उपस्थित हुए। मद्यपान निषेध की आवश्यकता पर बल देते हुए मद्यपान के भयावह स्वरूप पर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने विस्तृत चर्चा की। उक्त गोष्ठी में ग्राम प्रधान ने पूरी ग्रामसभा को मद्यपान से मुक्त कराने का संकल्प लिया एवं इस कार्यक्रम हेतु सभी कार्यक्रमाधिकारियों, शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 सीमा सिंह ने महिलाओं से अपील की कि मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का निदान महिलाएँ घर के सदस्यों को समझाकर जागरूककर एवं अपना विरोध ज्ञापित करके अच्छी तरह से कर सकती हैं। घर एवं समाज के परिवेश का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है इसीलिए लोगों को कोई भी ऐसा व्यसन नहीं करना चाहिए जिससे वे अपने बच्चों का भविष्य खराब करने में भागीदार बने। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने मद्यपान से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालते हुए अपील की कि हम सब लोगों को मिलकर स्वस्थ वातावरण पैदाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने उक्त व्यसन पर होने वाले धन की हानि एवं स्वास्थ्य क्षति पर विशेष रूप से लोगों का ध्यानाकर्षण किया।

बच्चों के अधिकार

चौथा दिवस (24.03.2021)

दिनांक 24.03.2021 को स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के रूप में चयनित ग्राम में पंक्तिबद्ध होकर एक रैली निकाली। सभी स्वयंसेवक स्वच्छता जागरूकता से संबंधित नारे लिखित तख्तियाँ हाथों में लिए हुए थे। सभी स्वयंसेवकों ने गली, सड़क, कुएँ, हैण्डपाइप के आस–पास फैली हुई गन्दगी को झाड़ू, फावड़ा से साफ किया एवं उपस्थित ग्रामवासियों को स्वच्छता की महत्ता बताते हुए उन्हें स्वयं ही साफ–सफाई करने को उद्यत किया। गाँव वालों ने कहा कि एक दिन साफ करने से क्या होगा प्रतिदिन आकर साफ–सफाई करिए। इस पर स्वयंसेवकों ने सन्तोषजनक उत्तर देते हुए कहा कि हम लोग सांकेतिक रूप से साफ–सफाई कर रहे हैं। अगर आप लोगों को यह मालूम है कि प्रतिदिन साफ–सफाई होनी चाहिए इसका अर्थ है कि साफ–सफाई स्वच्छता करना अच्छा कार्य है और अच्छे कार्य को करने के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने स्वच्छता के माध्यम से स्वस्थ वातावरण बनाकर अनेक गन्दगी जनित समस्याओं का निदान करने हेतु ग्रामवासियों से बात भी किया।

सायंकालीन सत्र में 'पर्यावरण जागरूकता', पर एक संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें सभी शिविरार्थी ग्रामवासी एवं महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक उपस्थित हुए। गोष्ठी में बोलते हुए आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी के रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह ने पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले कारकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने पर्यावरण को बचाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उपस्थित लोगों को मृदा–संरक्षण, जल संसाधन का समुचित उपयोग एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित करने की अपील की। इसी क्रम में विशेष आमन्त्रित अतिथि डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय अध्यक्ष, भूगोल विभाग, आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी ने जल बचाओ आन्दोलन में स्वयं द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि जलसंकट वर्तमान समय की सबसे विकट समस्या बनता जा रहा है जिसको रोकने की चुनौती समाज के सामने है। उन्होंने विश्वस्तर पर होने वाले ग्लोबल वार्मिंग की तरफ भी सबका ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी के समापन अवसर पर

कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए, पर्यावरण, संरक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवायोजना के स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

पॉचवा दिवस (25.03.2021)

दिनांक 25.03.2021 को इकाई–3 के शिविरार्थियों के बीच एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ''। प्रतियोगिता में सभी शिविरार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरान्त प्रतिभागियों के निबन्ध का मूल्यांकन कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र द्वारा किया गया। मूल्यांकन के पश्चात प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया जिनका नाम निम्नवत है–

1–	धीरेन्द्र कुमार शुक्ल	प्रथम स्थान	तृतीय इकाई
2–	प्राची सिंह	द्वितीय स्थान	तृतीय इकाई
3–	दिव्या सिंह	तृतीय स्थान	तृतीय इकाई

अल्पकाल के विश्राम के बाद सभी शिविरार्थी पुनः एकत्रित हुए एवं चयनित ग्राम तिवारीपुर में वृक्षारोपण विषय पर लिखित तख्तियों, पट्टिकाओं के साथ रैली निकाली। रैली के दौरान अधिकांश, ग्रामवासी जगह–जगह खड़े होकर स्लोगन को पढ़ रहे थे। कई जगह एकत्रित व्यक्तियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों ने वृक्षारोपण के महत्व को समझाया एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। इस सत्र में चयनित ग्राम तिवारीपुर में स्वयंसेवकों द्वारा रोपित पौधों का अवलोकन भी किया एवं कुछ पौधों के सूखने के कारणों पर विचार भी किया। रैली से वापस आने के बाद सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित हुए जहाँ पर उनके द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों को बताया गया। प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के नाम की भी घोषणा की गयी। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागियों की कापी को अन्य प्रतिभागियों को भी दिखाया गया जिससे कि वे अपनी तुलना उन चयनित प्रतिभागियों से कर सके और अपनी गलतियों को सुधारकर व्यक्तित्व निर्माण कर सके। प्रत्येक छात्र के निबंध लेखन की गलतियों को कार्यक्रमाधिकारी द्वारा इंगित करके उन्हें दूर करने के तरीकों को भी बताया गया। तत्पश्चात चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया जिससे कि उनका उत्साहवर्धन हो सके एवं अन्य प्रतिभागी भी अपने अगले प्रयास में और

अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रतिभागियों द्वारा अध्ययन के समय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखते समय आने वाली समस्याओं के बारे में भी प्रश्न पूछा गया जिसका उत्तर सहज ढंग से महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास के असि0 प्रोफे0 डॉ0 राधेश्याम सरोज ने दिया जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त सन्तुष्ट दिखे। प्रथम इकाई के स्वयंसेवक रविशंकर मिश्र ने लिखते समय मस्तिष्क में आ रहे विचारों के गायब होने के बारे में प्रश्न किया जो कि अनेक छात्रों के साथ होता है। इस प्रश्न का उत्तर महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अक्षयवर नाथ तिवारी ने यह कहकर दिया कि जब छात्र में आत्मविश्वास का अभाव होता है और विचारों को क्रमबद्ध ढंग से मस्तिष्क में व्यवस्थित नहीं कर पाता है तो इस तरह की समस्या आती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि छात्र अध्ययन के समय विचारों को व्यवस्थित करके अपने भी विचार शामिल करे और साथ ही साथ यह आत्मविश्वास भी पैदा करे कि वह अपने विचारों को दृढ़ता के साथ स्थापित कर सकता है। अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों को आभार ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी चाय पीने हेतु पंक्तिबद्ध हो गए जहाँ पर उन्हें बिस्किट, हलुआ एवं चाय प्रदान किया गया।

षष्टम दिवस (26.03.2021)

दिनांक 26.03.2021 को चयनित ग्राम तिवारीपुर में स्वच्छता जागरूकता पर कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र के निर्देशन में शिविरार्थियों द्वारा एक रैली निकाली गयी। रैली के दौरान टोली नायकों ने अनुशासित होकर अपने–अपने टोली के सदस्योंको व्यवस्थित रूप में ग्राम भ्रमण कर रहे थे जिसके लिए ग्रामवासी घरों से निकलकर बाहर काफी देर तक खड़े रहे एवं वे शिविरार्थियों के हाथों में उपलब्ध तख्तियों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ रहे थे। इस बार यह रैली इसलिए निकाली गयी थी कि पूर्व के दिनों में स्वच्छता के बारे में किए गए गतिविधियों के प्रभाव का मूल्यांकन हो सके कि क्या इन जागरूकता के कार्यक्रमों का प्रभाव ग्रामीणों पर पड़ रहा था या नहीं। रैली के दौरान इस बार बहुत ही सकारात्मक परिणाम पाया गया। हैण्डपम्प, नाली, रास्तों, कुओं के आस–पास पिछली बार की अपेक्षा अधिक साफ–सफाई देखी गयी। जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त उत्साहित एवं खुश दिखे। अन्त में सभी शिविरार्थी पंक्तिबद्ध होकर ही वापस शिविर स्थल पहुँचे जहाँ पर एक स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता 'साक्षरता' विषय पर करायी गयी। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता अनेक आकर्षक स्लोगन से प्रथम तीन स्थान प्राप्त छात्रों का चयन भी किया गया जिन्हें शिविर के अन्तिम दिन पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी।

बौद्धिक कार्यक्रम में शाम को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था– ''भ्रष्टाचार में युवाओं की भूमिका''। यह ऐसा विषय है जिस पर युवाओं की देश के प्रति सोच से परिचित हुआ जा सके। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने युवाओं की भूमिका पर विचार रखने के साथ–साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रयासों की प्रशंसा भी की। प्रथम इकाई के छात्र शुभम् कश्यप ने बड़े ही रोचक ढंग से युवाओं की शिथिलता को प्रस्तुत करते हुए उन्हें उत्साहित होकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपना सक्रिया योगदान देने की अपील की। अन्य प्रतिभागी सरिता तिवारी ने विवेकानन्द के व्यक्तित्व को सामने रखकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात की। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक

मण्डल के सदस्यों – कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह, महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ0 आशीष शुक्ल एवं कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 आनन्द सिंह ने पूरे विश्व में भारत के युवाओं की सराहना की कि हमारे देश का युवा सबसे अधिक ऊर्जावान है। अन्य देशों में युवा अवसादग्रस्त हो रहे हैं। जबकि हमारे देश के युवा तथाकथित विकास के आधुनिक प्रतिमानों से दूर होने के कारण अधिक ऊर्जावान एवं उत्साहित हैं। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने चाय, नाश्ता ग्रहण किया। अन्तिम कार्यक्रम के रूप में सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन शिविरार्थियों द्वारा किया गया। जिसमें दहेजप्रथा, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता आदि के बारे में एक संगीत, नृत्य, समूह गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। उसके बाद सभी शिविरार्थी रात्रि भोजन व्यवस्था में लग गए।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
दहेज प्रथा है एक अभिशाप
बेटी की बात समझो भार जीवन का है यह आधार

राष्ट्रीय सेवा योजना
विशेष शिविर

सप्तम दिवस (27.03.2021) समापन समारोह

शिविर के अन्तिम दिन दिनांक 27.03.2021 को नाश्ता करने के बाद सभी शिविरार्थी चयनित ग्राम तिवारीपुर में साक्षरता जागरूकता पर रैली हेतु पंक्तिबद्ध हुए। रैली टोली नायकों के निर्देशन में अनुशासित होकर रैली गाँव भर में भ्रमण की। रैली के समय सभी शिविरार्थी हाथों में हस्तलिखित पट्टिकाएँ लिए हुए थे। पट्टिकाओं पर लिखे हुए बहुत ही आकर्षक एवं अर्थपूर्ण थे जिसे ग्रामवासियों द्वारा तल्लीनता से पढ़ा जा रहा था। ग्रामवासियों ने चयनित ग्राम रतनसिरा में इतने अधिक जागरूकता का कार्यक्रम करने के लिए शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी चारों इकाई के शिविरार्थी शिविर के समापन समारोह हेतु एकत्रित हुए। समापन समारोह में आर.आर.पी. जी. कालेज के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह जन्तु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मलखान सिंह, पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 अक्षयवरनाथ तिवारी, अंग्रेजी विभाग के डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी, समापन कार्यक्रम के प्रारंभ में इकाई तीन के स्वयंसेवकों की तरफ से सुनील मौर्य एवं स्वयंसेविकाओं की तरफ से अर्पिता सिंह ने साप्ताहित शिविर में संचालित गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह ने अपने संबोधन में सभी शिविरार्थियों से अपील की कि शिविरार्थियों को शिविर एवं चयनित ग्रामों में किए गए गतिविधियों का अनुसरण व्यक्तिगत जीवन में करना चाहिए एवं चौबीस घंटे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु तैयार होना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र सिंह ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु स्वयंसेवकों से भ्रष्टाचार में लिप्त न होने एवं लिप्त भ्रष्टाचारियों को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करके अपना विरोध व्यक्त करने का आवाहन किया। विद्यालय के प्राध्यापक राजीव सिंह ने अपना संस्मरण सुनाया एवं अपने व्यक्तित्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने शिविरार्थियों के लगन एवं अनुशासन की बार–बार प्रशंसा की। कालेज के शिक्षक श्री राजमणि तिवारी ने स्वच्छता एवं साक्षरता के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। आर.आर.पी.जी. कालेज के

प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवायोजना के उद्देश्यों को शत–प्रतिशत सफल करके व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय सहयोग देने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात साप्ताहिक शिविर में सम्पन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सांकेतिक रूप से पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागी अधोलिखित हैः–

अ. भाषण प्रतियोगिता

प्रथम अभिषेक 3 इकाई

द्वितीय राजश्री 3 इकाई

ब. स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता

प्रथम – अनामिका पाण्डेय 3 इकाई

द्वितीय – श्वेता 3 इकाई

स. गीत–गायन प्रतियोगिता

प्रथम– श्रेया शुक्ला 3 इकाई

द्वितीय– कोमल यादव 3 इकाई

द. विशेष शिविर नायक अंकित राव 1 इकाई

शिविर नायक छात्र धीरज अग्रहरि 3 इकाई

छात्रा– दिव्या सिंह 3 इकाई

समापन समारोह के अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने सभी अतिथियों इण्टरमीडिएट कालेज के प्राचार्य, प्रबंधक शिविरार्थियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया कि सब लोगों ने कैम्प में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी भावुक होकर अपने सामान की पैकिंग करके समाज निर्माण करने के उद्देश्य से अपने घरों को वापस चले गए।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

प्राचार्य
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमेठी (उ0प्र0)

(डॉ0 देवेन्द्र मिश्र)
कार्यक्रमाधिकारी

कार्यक्रमाधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना

RANANJAY POST GRADUATE COLLEGE

गई। वहां सर्द हवाएं लोगों को परेशान कर रही थी।

शनिवार की सुबह पूरी तरह से कोहरा छाया रहा। वहीं सर्दी अपने पूरे रौ में दिखी। ठंड से पूरा जिला कांपता नजर आया। पारा दस डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया।

'समाज को सशक्त और नैतिक बनाने की जरूरत'

संवादसूत्र, अमेठी : रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में प्राचार्य डा. त्रिवेणी सिंह ने जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त एवं नैतिक बनाने की जरूरत है। बौद्धिक सत्र में जल संवाद गोष्ठी में डा. अर्जुन पांडेय ने कहा कि जिस पानी को भारत में देवता एवं नदियों को मां कहा गया है आज पानी को बाजार की वस्तु बनाकर बेचा एवं खरीदा जा रहा है। क्षेत्र की मालती एवं उज्जयिनी नदियों का अस्तित्व खतरे में है। इन नदियों के संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। डा. धनंजय सिंह ने कहा गांवों में पानी के बैंक तालाब, पोखर एवं नदियों के संरक्षण की जरूरत है। डा. संतोष कुमार सिंह, डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डा. शिप्रा सिंह, डा. देवेंद्र मिश्र, राजकुमार जायसवाल, डा. दुष्यंत प्रताप सिंह, डा. अजय कुमार सिंह, डा. शशिशेखर सिंह, डा. ओपी त्रिपाठी सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पंचायत उप चुनाव के लिए

जासं, अमेठी : ग्राम प्रधान तीन व

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

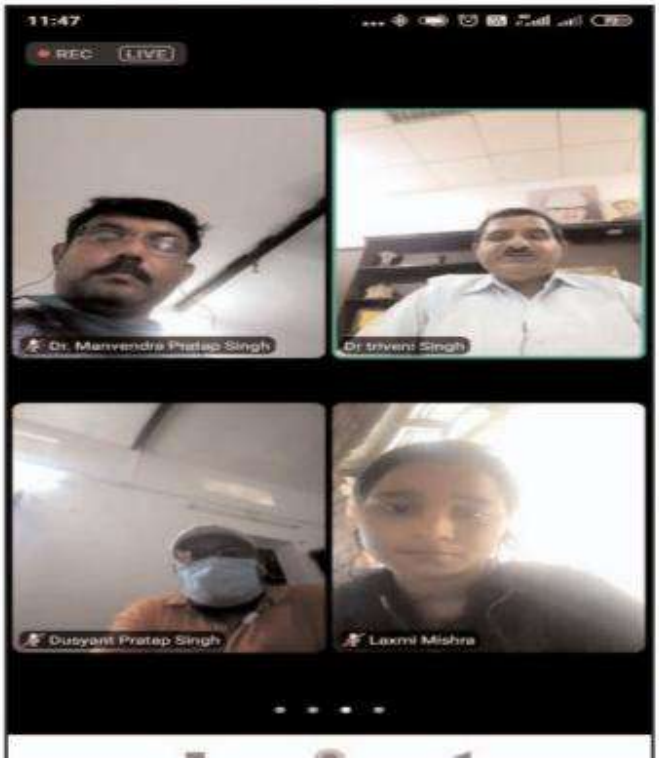

साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00-06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत दिनों में कई विषय विशेषज्ञों से सम्पर्क कर छात्राओं को आनलाइन माध्यम से उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर क्राइम से बचाव हेतु विनोद कुमार मिश्र ने आनलाइन माध्यम से बालिकाओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

रहा है यदि उनको कोई समस्या है तो उन्हे नोट कर उसका त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है, साथ- साथ प्रत्येक थाना क्षेत्र के चिन्हित हाट-स्पाट पर निरन्तर पैट्रोलिंग की जा रही है।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किये गये कार्यक्रम में साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक।

इलाहाबाद एक्सप्रेस ब्यूरो अमेठी

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

संवाददाता। अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00–10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00–12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे मला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है। साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00–06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं।

रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अमेठी
अंतू रोड़, अमेठी, उ0प्र0–227405

शारीरिक शिक्षा विभाग एवं NSS द्वारा
आयोजित पांच दिवसीय महिला आत्मरक्षा ट्रेनिगं कार्यक्रम

शारदीय नवरात्र मिशन शक्ति कार्य योजना

विषय-'बालिका स्वास्थ्य संवर्धन' पर वेविनार
दिनांक 22 अक्टूबर 2020 सुबह 10:00 से 11:30 तक

निबंध, स्लोगन, शपथ ग्रहण
कार्यक्रम सुबह 11:30 से 12:00 तक

ऑनलाइन आत्मरक्षा प्रशिक्षण
कार्यक्रम शाम 05:00 से 06:00 तक

रानी डॉ0 अमीता सिंह
सचिव

डॉ0 त्रिवेणी सिंह
प्राचार्य

डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह
कार्यक्रम प्रशिक्षक

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यक्रम अधिकारी

R.R.P.G. College, Amethi

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–04

(वर्ष 2020–21 की वार्षिक एवं विशेष शिविर आख्या)

कार्यक्रमाधिकारी–डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय

डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

राष्ट्रीय सेवा योजना रिपोर्ट

सामान्य कार्यक्रम योजना

सत्र–2020–2021

आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी

इकाई–04

चयनित ग्राम–बरियापुर

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय

दिनांक 24.09.2020 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। प्रातः 10.00 बजे परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडारोहण हुआ एवं इसी के साथ ही एन.एस.एस. 2020–2021 सत्र का प्रारंभ हुआ। झंडारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए। स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने एन.एस.एस. के गठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं आधुनिक राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस. की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयंसेवक छात्रों को अनुशासित होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों का निराकरण करने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने वर्तमान परिवेश को स्वस्थ रखने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के समान अन्य समाज निर्माण के कार्यक्रम चलाए जाने की बात की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना को स्वामी विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अनुप्राणित बताते हुए युवाओं का आवाहन किया कि वे भी इनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु आगे आएँ। अन्त में द्वितीय इकाई के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

दिनांक 02.10.2020 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गयी। सभी स्वयंसेवक पूरे शहर में हाथों में तख्तियाँ लेकर प्रभातफेरी निकाली। प्रभात फेरी के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात महाविद्यालय के मालवीय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महात्मा गांधी और 'जय–जवान, जय–किसान' का नारा देने वाले स्व0 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विशद चर्चा हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक वैभव सिंह, वन्दना शुक्ला, रितेश शुक्ल आदि ने स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने दोनों महापुरूषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता को अपने स्वभाव में अंगीकार करने का आवाहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 पवन पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह, डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 शिप्रा सिंह ने भी स्वच्छता के माध्यम से अनकूलतम पर्यावरण बनाए रखने की आवश्यकता बतायी। प्राचार्य के साथ सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने परिसर की सफाई की एवं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता के साथ ही दिनचर्या की शुरूआत करने की प्रतिबद्धता जतायी।

दिनांक 17.10.2020 को सभी स्वयंसेवक चयनित गाँव बरियापुर गए जहाँ पर उन्होंने फावड़ा, झाड़ू लेकर गाँव में जगह–जगह स्थित नाली, हैण्डपम्प आदि की सफाई करके यह संकेत देने की कोशिश की कि ग्रामवासियों को अपने नाली घर की साफ–सफाई स्वयं करनी चाहिए।

दिनांक 18.10.2020 को चयनित ग्रामसभा में नाली की सफाई की गयी, चयनित गाँव बरियापुर में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अधिक संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित हुए। मद्यपान से होने वाली क्षति को स्पष्ट करते हुए स्वयं सेवक आरती सरोज इकाई–4 ने ग्रामवासियों को मद्यपान न करने का सुझाव दिया। स्वयं सेवक डाली शर्मा इकाई 4 ने मद्यपान को अभिशाप बताया एवं सभी मद्यपान में लिप्त लोगों को मद्यपान न करने का संकल्प लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से आप केवल अपना ही स्वास्थ्य नहीं बल्कि अपने बच्चों का एवं आने वाली पीढ़ी का भी स्वास्थ्य ठीक रख सकते हैं। ग्रामवासियों ने मद्यपान का विरोध करने का संकल्प भी लिया।

दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को चयनित ग्राम बरियापुर में वृक्षारोपण हेतु थालों का निर्माण करके, 21 अक्टूबर, 2020 को वृक्षारोपण किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण करने के साथ–साथ पूरे ग्राम में भ्रमण करके विभिन्न टोलियों में विभक्त हो करके ग्रामवासियों को वृक्षारोपण से होने वाले लाभ से परिचित कराया। वृक्षारोपण के पश्चात स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों से थालों में रोपित पौधों को आवश्यक खाद–पानी के माध्यम से पोषण करने एवं संरक्षित करने का निवेदन किया। सभी स्वयंसेवक वृक्षारोपण के पश्चात सूक्ष्म जलपान करके वापस लौट आए।

दिनांक 26 अक्टूबर, 2020 एवं 28 अक्टूबर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों ने चयनित ग्राम का भ्रमण कर विभिन्न टोलियों में विभक्त होकर साक्षरता प्रसार हेतु ग्रामवासियों को जागरूक किया और गांव की कुछ महिलाओं को अपना हस्ताक्षर करने के लिए प्रशिक्षित भी किया।

दिनांक 5 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में सड़क मरम्मत का कार्य किया गया।

दिनांक 6 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में साफ–सफाई के प्रति सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 7 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में स्वयंसेवकों द्वारा सामाजिक समस्याओं के प्रति दीवालों पर स्लोगन लेखन का कार्य किया गया।

पुनः 9 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ग्रामवासियों से मिलकर मलिन बस्तियों के सफाई अभियान के प्रति उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्रात की गयी एवं सुझाव भी दिया गया और एड्स जागरूकता रैली निकाली गयी।

इसी क्रम में दिनांक 24 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में ग्राम प्रधान के साथ मिलकर सभी स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को एकत्रित कर स्वच्छ पेय जल की प्राप्ति एवं संरक्षण विषय पर परिचर्चा की गयी।

दिनांक 26 नवम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डा0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया।

दिनांक 27 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में पुनः सड़क मरम्मत का कार्य पूर्ण किया गया।

दिनांक 1 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्रामसभा में अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर रैली व समारोह सम्पन्न किया गया।

दिनांक 03 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर से लेकर शहर तक एक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली के दौरान मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह देखा गया। कई मतदाताओं द्वारा इस बार अवश्य मतदान करने का आश्वासन भी दिया गया। रैली के बाद महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागी स्वयंसेवकों ने बड़े रोचक ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेवक अंकिता तिवारी ने चुनाव आयोग द्वारा अपेक्षित विषय प्रत्येक मत की महत्ता' पर अपने विचार विस्तार से रखा। स्वयंसेविका पिंकी मौर्या, अंकित राव ने अपने गाँव में मतदाताओं के मतदान करने के फैसले से लोगों को अवगत कराया।

दिनांक 5 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया।

दिनांक 7 दिसम्बर, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं की मलिन बस्तियों की सफाई किया गया।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा सफाई पर जागरूकता रैली निकाली गयी।

दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं में नालियों की सफाई की गयी।

दिनांक 18 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय परिसर में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया। स्वयंसेवक पिंकी यादव ने पूरे विश्व को गाँव मानकर प्रकृति का अनुकूलतम उपयोग करके मनुष्य के हितों की रक्षा करने की बात की।

दिनांक 21 दिसम्बर, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने–अपने चयनित ग्राम सभाओं में जाकर सड़क निर्माण का कार्य किया गया।

दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम बरियापुर में सभी स्वयंसेवकों ने कुओं के आस–पास साफ–सफाई की। छात्रों ने झाड़ू, फावड़ा आदि साधनों से कुओं को साफ करने का काम किया। कुओं को साफ करने के दौरान ग्रामवासियों ने कुछ कुओं के प्रयोग में न होने की सूचना दिया जिस पर स्वयंसेवकों ने कहा कि अप्रयुक्त कुआँ होने के बाद भी उसकी सफाई की जानी चाहिए क्योंकि कुएँ के आस–पास की गन्दगी वहीं तक सीमित न होकर पूरे सामाजिक वातावरण को गन्दा करती है।

दिनांक 9 जनवरी, 2021 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने चयनित ग्राम सभाओं में मद्यपान निषेध पर रैली के माध्यम से ग्राम वासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 जनवरी, 2021 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'युवा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने युवाओं से विवेकानन्द जी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आवाहन किया। वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों पर चलकर करने हेतु युवाओं को प्रेरित किया। उक्त अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0प्रोफे0 डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने स्वामी जी के सूत्र वाक्य 'उठो, जागो और आगे बढ़ो' पर अपना विस्तृत विचार व्यक्त किया।

उक्त अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को 'वित्तीय साक्षरता अभियान' के अन्तर्गत 'कैशलेश योजना' से अवगत कराया गया एवं उन्हें अमेठी शहर में जाकर दुकानदार को इस योजना से ही भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक वालन्टियर अपने ग्राम मुहल्ले में कम से कम दस परिवारों को कैशलेश योजना के लाभों की जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह एवं डॉ0 शिप्रा सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वयंसेवक अंकित एवं नरगिस ने संयुक्त रूप से किया।

दिनांक 25 जनवरी, 2021 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रैली निकाली गयी एवं मतदाता जागरूकता समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी ग्रामवासियों को ''पहले मतदान–फिर कोई काम'' का संकल्प दिलाया गया।

दिनांक 28 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय में रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 30 जनवरी, 2021 को पुनः चयनित ग्रामसभा में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राएं वृक्षारोपण थालों का निर्माण और दिनांक 03 फरवरी, 2021 को चयनित ग्राम सभाओं में वृक्षारोपण किया गया।

दिनांक 05 फरवरी, 2021 चयनित ग्राम सभाओं में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा साक्षरता प्रसार पर रैली निकालकर ग्रामवायियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 फरवरी, 2021 को सभी इकाइयों के स्वयं सेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा यातायात के संदर्भ में एक जागरूकता अभियान चलाया गया और एक रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

अवगत कराना है कि आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयाँ सामान्य कार्यक्रम के अतिरिक्त समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संचालन कुशलतापूर्वक करती रही है।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय)
कार्यक्रमाधिकारी

2021/03/25 09:42

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय युवा दिवस/सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशेष शिविर रिपोर्ट 2020–2021

(तिथि–21.03.2021 से 27.03.2021 तक)

चयनित ग्राम–बरियापुर

शिविर स्थल–प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी

इकाई–4

आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी

प्रथम दिवस (दिनांक 21.03.2021 उद्घाटन समारोह)

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय

दिनाँक 21 मार्च, 2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष साप्ताहिक शिविर प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी में प्रारम्भ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, मुख्य अतिथि– उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 उमेश सिंह, डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह, डॉ0 विजय कुमार सिंह, डॉ0 धनंजय सिंह, डा0 ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी के प्रबन्धक श्री देवमणि तिवारी एवं समस्त शिक्षक महानुभाव उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती एवं महाविद्यालय के संस्थापक राजर्षि रणंजय सिंह की प्रतिमा पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह एवं उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। इस अवसर पर शिविरार्थी कविता यादव एवं प्रियंका ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। तत्पश्चात वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह

ने शिविर में आये हुए अतिथियों का स्वागत स्वागत भाषण के माध्यम से किया। स्वागत भाषण के दौरान ही डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने अपने अनुभवों के माध्यम से शिविरार्थियों को पूर्व में आयोजित शिविर एवं पूर्व के कुछ शिविरार्थियों के अनुशासन के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ इस शिविर में रहकर शिविरार्थी किस तरह से समाज–निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं इसको भी रेखांकित किया।

शिविरार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसको कि अतिथियों ने बहुत सराहा। महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0 प्रोफेसर डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य के बारे में प्रकाश डाला तथा इन सात दिनों में चयनित ग्राम में जाकर ग्रामवासियों को विभिन्न समस्याओं से परिचित कराकर उनका समाधान अपने स्तर पर करने की अपील की। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने ज्वलन्त सामाजिक समस्या दहेजप्रथा एवं कन्या भ्रूणहत्या, बाल–विवाह रोकने हेतु शिविरार्थियों का आह्वान किया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने जलसंचयन एवं आवश्यकतानुसार प्राकृतिक सम्पदाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के असि0 प्रोफे0 डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं एवं उनके समाधान के प्रति शिविरार्थियों में जागरूकता पैदा किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने ओजस्वी भाषण के माध्यम से छात्रों को विवेकानन्द के व्यक्तित्व से प्रेरित होकर राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने कृषि प्रधान देश होने के बाद भी कृषि की दयनीय स्थिति पर अपनी चिन्ता व्यक्त की एवं विभिन्न माध्यमों से कृषि को उन्नत करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित एवं संकल्पित कराया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर के इस सत्र मुख्य अतिथि डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की ऐतिहासिक विवेचन प्रस्तुत किया। एवं विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से शिविरार्थियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के व्यक्तित्त्व से प्रेरित होकर समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने

हेतु संकल्पित किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्र वाक्य, बैज एवं चिन्ह के उद्‌गम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिविर में सात दिन तक सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रमोंपरान्त उद्‌घाटन सभा में उपस्थित अतिथियों, ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शिविर के प्रथम दिन के सायंकालीन सत्र में चारों इकाईयों के शिविरार्थियों ने अपने–अपने कार्यक्रमाधिकारी के निर्देशन में सप्ताह भर में चयनित ग्राम में होने वाली गतिविधियों एवं सायंकालीन सत्र में होने वाले कार्यक्रमों, गोष्ठियों के बारे में विवरण भी तैयार किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

दूसरा दिवस (22.03.2021)

दिनांक 22.03.2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी के राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने शिविर स्थल के आस पास साफ–सफाई किया। पूर्वाह्नसत्र में शिविरार्थियों ने पंक्तिबद्ध होकर चयनित ग्राम बरियापुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। शिविरार्थी रैली के दौरान अपने हाथों में स्लोगन लिखित पोस्टर, बैनर एवं तख्तियाँ लिए हुए थे। रौली के दौरान सभी ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपने–अपने ढंग से बातचीत के माध्यम से समझा रहे थे। उक्त अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा विभिन्न प्रश्न भी पूछे गए जिनका सन्तोषजनक उत्तर देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें सन्तुष्ट करने का प्रयास किया। कुछ ग्राम के मतदाताओं ने मतदान करने से होने वाले फायदे के बारे में पूछा एवं मतदान न करने हेतु अपने कारण भी बताए जिसका उत्तर कुशलतापूर्वक देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें मतदान के माध्यम से ही अपने इच्छुक अभ्यर्थी का चुनाव करके सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील की। अन्त में ग्रामवासियों ने सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया कि उन्होंने ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपना समय निकालकर ग्राम में विचरण किया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने प्रथम सत्र की रैली में पूछे गए प्रश्नों एवं ग्रामवासियों में मतदान हेतु शिथिलता के बारे में गम्भीरतापूर्वक विचार किया, एवं मतदाता जागरूकता हेतु अन्यकार्यक्रम किए जाने की प्रतिबद्धता भी जतायी।

सायंकालीन सत्र में शिविर स्थल पर मतदाता जागरूकता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापक एवं क्षेत्र के अनेक नागरिक सम्मिलित हुए। गोष्ठी की शुरूआत ईशवन्दना एवं सरस्वती वन्दना से हुई। तदोपरान्त कार्यक्रमोधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों ने प्रातःकालीन रैली में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित समस्याओं की ओर अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया। स्वयंसेवक ज्ञानेन्द्र मिश्र ने मतदाता जागरूकता के अभियान की सफलता की वकालत की। उन्होंने मतदाता जागरूकता के कार्यक्रमों के कारण इस वर्ष होने वाले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना व्यक्त की जो कि

जागरूकता अभियान की सफलता की ओर इशारा करता है। स्वयंसेविका रितु ने महिलाओं का आवाह्न किया कि महिलाएँ मतदान में भाग लेकर देश की तस्वीर बदलने का काम कर सकती हैं। तत्पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उपस्थित ग्रामवासियों में मतदान हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी देने की अपील की। उन्होंने विगत वर्षों में हुए मतदान में मतदान प्रतिशत को सामने रखकर केवल आधी आबादी द्वारा ही सरकारें गठित होने पर अपनी चिन्ता व्यक्त की। एवं इस मतदान प्रतिशत को हर स्थिति में प्रत्येक चुनाव में बढ़ाए जाने हेतु प्रेरित किया। ग्राम प्रधान ने ग्रामवासियों को उपलब्ध कराए गए योजनाओं के प्रकाश में मतदाताओं को अधिक अच्छी सरकार गठित करके अन्य लाभकारी योजना लाने हेतु मतदान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आवाह्न किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के ग्रामवासी का नामांकन होना चाहिए अगर किसी को नामांकन कराने में कोई परेशानी हो तो लेखपाल, बी0एल0ओ0 से सम्पर्क करके फार्म 6 भरकर नामांकन करवा सकता है। बी0एल0ओ0 प्रतिदिन ग्राम में आते हैं। आवश्यकता है कि वंचित ग्रामवासी उनसे सम्पर्क अवश्य करें। गोष्ठी के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्रवाक्य "Not Me But You" की विशद व्याख्या की एवं प्रत्येक मत को महत्त्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्र निर्माण में योग्य उम्मीदवारों का चयन करके भागीदार बनने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह आश्वासन दिया कि मतदाता जागरूकता हेतु पुनः चयनित ग्राम में जाकर छूटे हुए मतदाताओं का नामांकन कराया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योज
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्याल
SWACHH BHARAT MISSION
2021-03-23 12:10

राष्ट्रीय सेवा योज
YOU
महाविद्यालय
2021-03-23 12:09

तीसरा दिवस (23.03.2021)

दिनांक 23.03.2021 को सभी स्वयंसेवक शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित होकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों के साथ प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। स्वयं सेवक शिवम् मोदनवाल इकाई चतुर्थ ने सभी स्वयं सेवक एवं उपस्थित जनसमुदाय से संकल्प लेकर बाल–विवाह, मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का समाधान करने की अपील की। इकाई तीन के स्वयंसेवकों ने लघुनाटिका प्रस्तुत की जिसका विषय था 'लोकतन्त्र की महत्ता'। उक्त कार्यक्रम अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। साथ ही साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने सभी स्वयंसेवको को सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

सायंकालीन सत्र में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें सभी शिविरार्थी, कार्यक्रमाधिकारी एवं विशिष्टजन उपस्थित हुए। मद्यपान निषेध की आवश्यकता पर बल देते हुए मद्यपान के भयावह स्वरूप पर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने विस्तृत चर्चा की। उक्त गोष्ठी में ग्राम प्रधान ने पूरी ग्रामसभा को मद्यपान से मुक्त कराने का संकल्प लिया एवं इस कार्यक्रम हेतु सभी कार्यक्रमाधिकारियों, शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 सीमा सिंह ने महिलाओं से अपील की कि मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का निदान महिलाएँ घर के सदस्यों को समझाकर जागरूककर एवं अपना विरोध ज्ञापित करके अच्छी तरह से कर सकती हैं। घर एवं समाज के परिवेश का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है इसीलिए लोगों को कोई भी ऐसा व्यसन नहीं करना चाहिए जिससे वे अपने बच्चों का भविष्य खराब करने में भागीदार बने। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने मद्यपान से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालते हुए अपील की कि हम सब लोगों को मिलकर स्वस्थ वातावरण पैदाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने उक्त व्यसन पर होने वाले धन की हानि एवं स्वास्थ्य क्षति पर विशेष रूप से लोगों का ध्यानाकर्षण किया।

बच्चों के अधिकार

चौथा दिवस (24.03.2021)

दिनांक 24.03.2021 को स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के रूप में चयनित ग्राम में पंक्तिबद्ध होकर एक रैली निकाली। सभी स्वयंसेवक स्वच्छता जागरूकता से संबंधित नारे लिखित तख्तियाँ हाथों में लिए हुए थे। सभी स्वयंसेवकों ने गली, सड़क, कुएँ, हैण्डपाइप के आस–पास फैली हुई गन्दगी को झाड़ू, फावड़ा से साफ किया एवं उपस्थित ग्रामवासियों को स्वच्छता की महत्ता बताते हुए उन्हें स्वयं ही साफ–सफाई करने को उद्यत किया। गाँव वालों ने कहा कि एक दिन साफ करने से क्या होगा प्रतिदिन आकर साफ–सफाई करिए। इस पर स्वयंसेवकों ने सन्तोषजनक उत्तर देते हुए कहा कि हम लोग सांकेतिक रूप से साफ–सफाई कर रहे हैं। अगर आप लोगों को यह मालूम है कि प्रतिदिन साफ–सफाई होनी चाहिए इसका अर्थ है कि साफ–सफाई स्वच्छता करना अच्छा कार्य है और अच्छे कार्य को करने के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने स्वच्छता के माध्यम से स्वस्थ वातावरण बनाकर अनेक गन्दगी जनित समस्याओं का निदान करने हेतु ग्रामवासियों से बात भी किया।

सायंकालीन सत्र में 'पर्यावरण जागरूकता', पर एक संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें सभी शिविरार्थी ग्रामवासी एवं महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक उपस्थित हुए। गोष्ठी में बोलते हुए आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी के रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह ने पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले कारकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने पर्यावरण को बचाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उपस्थित लोगों को मृदा–संरक्षण, जल संसाधन का समुचित उपयोग एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित करने की अपील की। इसी क्रम में विशेष आमन्त्रित अतिथि डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय अध्यक्ष, भूगोल विभाग, आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी ने जल बचाओ आन्दोलन में स्वयं द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि जलसंकट वर्तमान समय की सबसे विकट समस्या बनता जा रहा है जिसको रोकने की चुनौती समाज के सामने है। उन्होंने विश्वस्तर पर होने वाले ग्लोबल वार्मिंग की तरफ भी सबका ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी के समापन अवसर पर

कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए, पर्यावरण, संरक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवायोजना के स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

पॉचवा दिवस (25.03.2021)

दिनांक 25.03.2021 को इकाई–4 के शिविरार्थियों के बीच एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ''। प्रतियोगिता में सभी शिविरार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरान्त प्रतिभागियों के निबन्ध का मूल्यांकन कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। मूल्यांकन के पश्चात प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया जिनका नाम निम्नवत है–

1–	प्रियंका वर्मा	प्रथम स्थान	चतुर्थ इकाई
2–	आशीष कुमार	द्वितीय स्थान	चतुर्थ इकाई
3–	रिन्कू	तृतीय स्थान	चतुर्थ इकाई

अल्पकाल के विश्राम के बाद सभी शिविरार्थी पुनः एकत्रित हुए एवं चयनित ग्राम बरियापुर में वृक्षारोपण विषय पर लिखित तख्तियों, पट्टिकाओं के साथ रैली निकाली। रैली के दौरान अधिकांश, ग्रामवासी जगह–जगह खड़े होकर स्लोगन को पढ़ रहे थे। कई जगह एकत्रित व्यक्तियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों ने वृक्षारोपण के महत्व को समझाया एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। इस सत्र में चयनित ग्राम बरियापुर में स्वयंसेवकों द्वारा रोपित पौधों का अवलोकन भी किया एवं कुछ पौधों के सूखने के कारणों पर विचार भी किया। रैली से वापस आने के बाद सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित हुए जहाँ पर उनके द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों को बताया गया। प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के नाम की भी घोषणा की गयी। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागियों की कापी को अन्य प्रतिभागियों को भी दिखाया गया जिससे कि वे अपनी तुलना उन चयनित प्रतिभागियों से कर सके और अपनी गलतियों को सुधारकर व्यक्तित्व निर्माण कर सके। प्रत्येक छात्र के निबंध लेखन की गलतियों को कार्यक्रमाधिकारी द्वारा इंगित करके उन्हें दूर करने के तरीकों को भी बताया गया। तत्पश्चात चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया जिससे कि उनका उत्साहवर्धन हो सके एवं अन्य प्रतिभागी भी अपने अगले प्रयास में और

अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रतिभागियों द्वारा अध्ययन के समय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखते समय आने वाली समस्याओं के बारे में भी प्रश्न पूछा गया जिसका उत्तर सहज ढंग से महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास के असि0 प्रोफे0 डॉ0 राधेश्याम सरोज ने दिया जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त सन्तुष्ट दिखे। प्रथम इकाई के स्वयंसेवक रविशंकर मिश्र ने लिखते समय मस्तिष्क में आ रहे विचारों के गायब होने के बारे में प्रश्न किया जो कि अनेक छात्रों के साथ होता है। इस प्रश्न का उत्तर महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अक्षयवर नाथ तिवारी ने यह कहकर दिया कि जब छात्र में आत्मविश्वास का अभाव होता है और विचारों को क्रमबद्ध ढंग से मस्तिष्क में व्यवस्थित नहीं कर पाता है तो इस तरह की समस्या आती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि छात्र अध्ययन के समय विचारों को व्यवस्थित करके अपने भी विचार शामिल करे और साथ ही साथ यह आत्मविश्वास भी पैदा करे कि वह अपने विचारों को दृढ़ता के साथ स्थापित कर सकता है। अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों को आभार ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी चाय पीने हेतु पंक्तिबद्ध हो गए जहाँ पर उन्हें बिस्किट, हलुआ एवं चाय प्रदान किया गया।

षष्टम दिवस (26.03.2021)

दिनांक 26.03.2021 को चयनित ग्राम बरियापुर में स्वच्छता जागरूकता पर कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में शिविरार्थियों द्वारा एक रैली निकाली गयी। रैली के दौरान टोली नायकों ने अनुशासित होकर अपने–अपने टोली के सदस्योंको व्यवस्थित रूप में ग्राम भ्रमण कर रहे थे जिसके लिए ग्रामवासी घरों से निकलकर बाहर काफी देर तक खड़े रहे एवं वे शिविरार्थियों के हाथों में उपलब्ध तख्तियों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ रहे थे। इस बार यह रैली इसलिए निकाली गयी थी कि पूर्व के दिनों में स्वच्छता के बारे में किए गए गतिविधियों के प्रभाव का मूल्यांकन हो सके कि क्या इन जागरूकता के कार्यक्रमों का प्रभाव ग्रामीणों पर पड़ रहा था या नहीं। रैली के दौरान इस बार बहुत ही सकारात्मक परिणाम पाया गया। हैण्डपम्प, नाली, रास्तों, कुओं के आस–पास पिछली बार की अपेक्षा अधिक साफ–सफाई देखी गयी। जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त उत्साहित एवं खुश दिखे। अन्त में सभी शिविरार्थी पंक्तिबद्ध होकर ही वापस शिविर स्थल पहुँचे जहाँ पर एक स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता 'साक्षरता' विषय पर करायी गयी। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता अनेक आकर्षक स्लोगन से प्रथम तीन स्थान प्राप्त छात्रों का चयन भी किया गया जिन्हें शिविर के अन्तिम दिन पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी।

बौद्धिक कार्यक्रम में शाम को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था– ''भ्रष्टाचार में युवाओं की भूमिका''। यह ऐसा विषय है जिस पर युवाओं की देश के प्रति सोच से परिचित हुआ जा सके। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने युवाओं की भूमिका पर विचार रखने के साथ–साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रयासों की प्रशंसा भी की। प्रथम इकाई के छात्र शुभम् कश्यप ने बड़े ही रोचक ढंग से युवाओं की शिथिलता को प्रस्तुत करते हुए उन्हें उत्साहित होकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपना सक्रिया योगदान देने की अपील की। अन्य प्रतिभागी सरिता तिवारी ने विवेकानन्द के व्यक्तित्व को सामने रखकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात की। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक

मण्डल के सदस्यों – कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह, महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ0 आशीष शुक्ल एवं कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 आनन्द सिंह ने पूरे विश्व में भारत के युवाओं की सराहना की कि हमारे देश का युवा सबसे अधिक ऊर्जावान है। अन्य देशों में युवा अवसादग्रस्त हो रहे हैं। जबकि हमारे देश के युवा तथाकथित विकास के आधुनिक प्रतिमानों से दूर होने के कारण अधिक ऊर्जावान एवं उत्साहित हैं। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने चाय, नाश्ता ग्रहण किया। अन्तिम कार्यक्रम के रूप में सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन शिविरार्थियों द्वारा किया गया। जिसमें दहेजप्रथा, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता आदि के बारे में एक संगीत, नृत्य, समूह गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। उसके बाद सभी शिविरार्थी रात्रि भोजन व्यवस्था में लग गए।

Save Me

राष्ट्रीय सेवा योजना
विशेष शिविर

सप्तम दिवस (27.03.2021) समापन समारोह

शिविर के अन्तिम दिन दिनांक 27.03.2021 को नाश्ता करने के बाद सभी शिविरार्थी चयनित ग्राम बरियापुर में साक्षरता जागरूकता पर रैली हेतु पंक्तिबद्ध हुए। रैली टोली नायकों के निर्देशन में अनुशासित होकर रैली गाँव भर में भ्रमण की। रैली के समय सभी शिविरार्थी हाथों में हस्तलिखित पट्टिकाएँ लिए हुए थे। पट्टिकाओं पर लिखे हुए बहुत ही आकर्षक एवं अर्थपूर्ण थे जिसे ग्रामवासियों द्वारा तल्लीनता से पढ़ा जा रहा था। ग्रामवासियों ने चयनित ग्राम रतनसिरा में इतने अधिक जागरूकता का कार्यक्रम करने के लिए शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी चारों इकाई के शिविरार्थी शिविर के समापन समारोह हेतु एकत्रित हुए। समापन समारोह में आर.आर.पी. जी. कालेज के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह जन्तु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मलखान सिंह, पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 अक्षयवरनाथ तिवारी, अंग्रेजी विभाग के डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी, समापन कार्यक्रम के प्रारंभ में इकाई तीन के स्वयंसेवकों की तरफ से दीपांशु पाण्डेय एवं स्वयंसेविकाओं की तरफ से प्रिन्सी ने साप्ताहित शिविर में संचालित गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह ने अपने संबोधन में सभी शिविरार्थियों से अपील की कि शिविरार्थियों को शिविर एवं चयनित ग्रामों में किए गए गतिविधियों का अनुसरण व्यक्तिगत जीवन में करना चाहिए एवं चौबीस घंटे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु तैयार होना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु स्वयंसेवकों से भ्रष्टाचार में लिप्त न होने एवं लिप्त भ्रष्टाचारियों को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करके अपना विरोध व्यक्त करने का आवाहन किया। विद्यालय के प्राध्यापक राजीव सिंह ने अपना संस्मरण सुनाया एवं अपने व्यक्तित्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने शिविरार्थियों के लगन एवं अनुशासन की बार–बार प्रशंसा की। कालेज के शिक्षक श्री राजमणि तिवारी ने स्वच्छता एवं साक्षरता के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। आर.आर.पी.जी. कालेज के

प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवायोजना के उद्देश्यों को शत–प्रतिशत सफल करके व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय सहयोग देने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात साप्ताहिक शिविर में सम्पन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सांकेतिक रूप से पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागी अधोलिखित हैः–

अ. भाषण प्रतियोगिता

प्रथम वैभव सिंह 4 इकाई

द्वितीय वन्दना शुक्ला 4 इकाई

ब. स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता

प्रथम – पूजा वर्मा 4 इकाई

द्वितीय – मोनिका 4 इकाई

स. गीत–गायन प्रतियोगिता

प्रथम– नीलम 4 इकाई

द्वितीय– जूही सिंह 4 इकाई

द. विशेष शिविर नायक अंकित राव 1 इकाई

शिविर नायक छात्र वैभव सिंह 4 इकाई

छात्रा– अमिता 4 इकाई

समापन समारोह के अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने सभी अतिथियों इण्टरमीडिएट कालेज के प्राचार्य, प्रबंधक शिविरार्थियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया कि सब लोगों ने कैम्प में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी भावुक होकर अपने सामान की पैकिंग करके समाज निर्माण करने के उद्देश्य से अपने घरों को वापस चले गए।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय)
कार्यक्रमाधिकारी

POST GRADUATE COLLEGE

गई। वहां सर्द हवाएं लोगों को परेशान कर रही थी।

शनिवार की सुबह पूरी तरह से कोहरा छाया रहा। वहीं सर्दी अपने पूरे रौ में दिखी। ठंड से पूरा जिला कांपता नजर आया। पारा दस डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया।

'समाज को सशक्त और नैतिक बनाने की जरूरत'

संवादसूत्र, अमेठी : रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में प्राचार्य डा. त्रिवेणी सिंह ने जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त एवं नैतिक बनाने की जरूरत है। बौद्धिक सत्र में जल संवाद गोष्ठी में डा. अर्जुन पांडेय ने कहा कि जिस पानी को भारत में देवता एवं नदियों को मां कहा गया है आज पानी को बाजार की वस्तु बनाकर बेचा एवं खरीदा जा रहा है। क्षेत्र की मालती एवं उज्जयिनी नदियों का अस्तित्व खतरे में है। इन नदियों के संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। डा. धनंजय सिंह ने कहा गांवों में पानी के बैंक तालाब, पोखर एवं नदियों के संरक्षण की जरूरत है। डा. संतोष कुमार सिंह, डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डा. शिप्रा सिंह, डा. देवेंद्र मिश्र, राजकुमार जायसवाल, डा. दुष्यंत प्रताप सिंह, डा. अजय कुमार सिंह, डा. शशिशेखर सिंह, डा. ओपी त्रिपाठी सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पंचायत उप चुनाव के लिए

जासं, अमेठी : ग्राम प्रधान तीन व

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

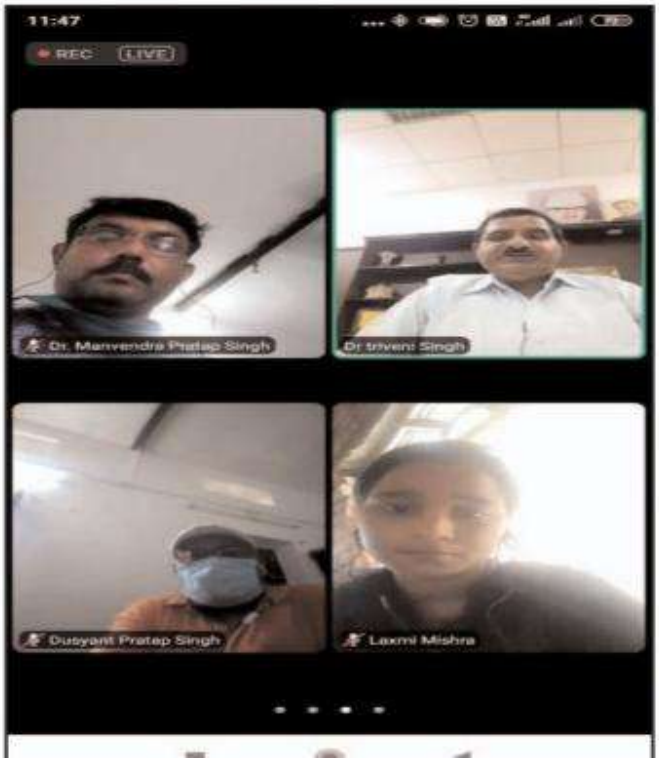

साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00-06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत दिनों में कई विषय विशेषज्ञों से सम्पर्क कर छात्राओं को आनलाइन माध्यम से उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर क्राइम से बचाव हेतु विनोद कुमार मिश्र ने आनलाइन माध्यम से बालिकाओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

रहा है यदि उनको कोई समस्या है तो उन्हे नोट कर उसका त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है, साथ- साथ प्रत्येक थाना क्षेत्र के चिन्हित हाट-स्पाट पर निरन्तर पैट्रोलिंग की जा रही है।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किये गये कार्यक्रम में साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक।

इलाहाबाद एक्सप्रेस ब्यूरो अमेठी

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

संवाददाता। अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00–10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00–12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे मला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है। साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00–06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं।

रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अमेठी
अंतू रोड़, अमेठी, उ0प्र0–227405

शारीरिक शिक्षा विभाग एवं NSS द्वारा
आयोजित पांच दिवसीय महिला आत्मरक्षा ट्रेनिगं कार्यक्रम

शारदीय नवरात्र मिशन शक्ति कार्य योजना

विषय-'बालिका स्वास्थ्य संवर्धन' पर वेविनार
दिनांक 22 अक्टूबर 2020 सुबह 10:00 से 11:30 तक

निबंध, स्लोगन, शपथ ग्रहण
कार्यक्रम सुबह 11:30 से 12:00 तक

ऑनलाइन आत्मरक्षा प्रशिक्षण
कार्यक्रम शाम 05:00 से 06:00 तक

रानी डॉ0 अमीता सिंह
सचिव

डॉ0 त्रिवेणी सिंह
प्राचार्य

डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह
कार्यक्रम प्रशिक्षक

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यक्रम अधिकारी

R.R.P.G. College, Amethi

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–05

(वर्ष 2020–21 की वार्षिक एवं विशेष शिविर आख्या)

कार्यक्रमाधिकारी–डॉ0 शिप्रा सिंह

डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

राष्ट्रीय सेवा योजना रिपोर्ट

सामान्य कार्यक्रम योजना

सत्र–2020–2021

आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी

इकाई–05

चयनित ग्राम–महुअरिया

कार्यक्रमाधिकारी

डॉ0 शिप्रा सिंह

दिनांक 24.09.2020 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। प्रातः 10.00 बजे परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडारोहण हुआ एवं इसी के साथ ही एन.एस.एस. 2020–2021 सत्र का प्रारंभ हुआ। झंडारोहण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक छात्र–छात्राएँ उपस्थित हुए। स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने एन.एस.एस. के गठन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं आधुनिक राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस. की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयंसेवक छात्रों को अनुशासित होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों का निराकरण करने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने वर्तमान परिवेश को स्वस्थ रखने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के समान अन्य समाज निर्माण के कार्यक्रम चलाए जाने की बात की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना को स्वामी विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अनुप्राणित बताते हुए युवाओं का आवाहन किया कि वे भी इनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु आगे आएँ। अन्त में द्वितीय इकाई के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धनंजय सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

दिनांक 02.10.2020 को गाँधी जयन्ती के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गयी। सभी स्वयंसेवक पूरे शहर में हाथों में तख्तियाँ लेकर प्रभातफेरी निकाली। प्रभात फेरी के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने ध्वजारोहण किया और तत्पश्चात महाविद्यालय के मालवीय सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महात्मा गांधी और 'जय–जवान, जय–किसान' का नारा देने वाले स्व0 प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विशद चर्चा हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक प्रतिभा मिश्रा, नेहा राय, मनोरमा आदि ने स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने दोनों महापुरूषों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए स्वच्छता को अपने स्वभाव में अंगीकार करने का आवाहन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 पवन पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह, डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 शिप्रा सिंह ने भी स्वच्छता के माध्यम से अनकूलतम पर्यावरण बनाए रखने की आवश्यकता बतायी। प्राचार्य के साथ सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने परिसर की सफाई की एवं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता के साथ ही दिनचर्या की शुरूआत करने की प्रतिबद्धता जतायी।

दिनांक 17.10.2020 को सभी स्वयंसेवक चयनित गाँव महुअरिया गए जहाँ पर उन्होंने फावड़ा, झाड़ू लेकर गाँव में जगह–जगह स्थित नाली, हैण्डपम्प आदि की सफाई करके यह संकेत देने की कोशिश की कि ग्रामवासियों को अपने नाली घर की साफ–सफाई स्वयं करनी चाहिए।

दिनांक 18.10.2020 को चयनित ग्रामसभा में नाली की सफाई की गयी, चयनित गाँव महुअरिया में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अधिक संख्या में ग्रामवासी सम्मिलित हुए। मद्यपान से होने वाली क्षति को स्पष्ट करते हुए स्वयं सेवक पूजा वर्मा इकाई–5 ने ग्रामवासियों को मद्यपान न करने का सुझाव दिया। उमा भारती स्वयं सेवक इकाई 5 ने मद्यपान को अभिशाप बताया एवं सभी मद्यपान में लिप्त लोगों को मद्यपान न करने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने

कहा कि ऐसा करने से आप केवल अपना ही स्वास्थ्य नहीं बल्कि अपने बच्चों का एवं आने वाली पीढ़ी का भी स्वास्थ्य ठीक रख सकते हैं। ग्रामवासियों ने मद्यपान का विरोध करने का संकल्प भी लिया।

दिनांक 21 अक्टूबर, 2020 को चयनित ग्राम महुअरिया में वृक्षारोपण हेतु थालों का निर्माण करके, 21 अक्टूबर, 2020 को वृक्षारोपण किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण करने के साथ–साथ पूरे ग्राम में भ्रमण करके विभिन्न टोलियों में विभक्त हो करके ग्रामवासियों को वृक्षारोपण से होने वाले लाभ से परिचित कराया। वृक्षारोपण के पश्चात स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों से थालों में रोपित पौधों को आवश्यक खाद–पानी के माध्यम से पोषण करने एवं संरक्षित करने का निवेदन किया। सभी स्वयंसेवक वृक्षारोपण के पश्चात सूक्ष्म जलपान करके वापस लौट आए।

दिनांक 26 अक्टूबर, 2020 एवं 28 अक्टूबर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों ने चयनित ग्राम का भ्रमण कर विभिन्न टोलियों में विभक्त होकर साक्षरता प्रसार हेतु ग्रामवासियों को जागरूक किया और गांव की कुछ महिलाओं को अपना हस्ताक्षर करने के लिए प्रशिक्षित भी किया।

दिनांक 5 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में सड़क मरम्मत का कार्य किया गया।

दिनांक 6 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में साफ–सफाई के प्रति सभी ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 7 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में स्वयंसेवकों द्वारा सामाजिक समस्याओं के प्रति दीवालों पर स्लोगन लेखन का कार्य किया गया।

पुनः 9 नवम्बर, 2020 को सभी स्वयंसेवकों के द्वारा ग्रामवासियों से मिलकर मलिन बस्तियों के सफाई अभियान के प्रति उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी प्रात की गयी एवं सुझाव भी दिया गया और एड्स जागरूकता रैली निकाली गयी।

इसी क्रम में दिनांक 24 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में ग्राम प्रधान के साथ मिलकर सभी स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को एकत्रित कर स्वच्छ पेय जल की प्राप्ति एवं संरक्षण विषय पर परिचर्चा की गयी।

दिनांक 26 नवम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डा0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया।

दिनांक 27 नवम्बर, 2020 को चयनित ग्राम में पुनः सड़क मरम्मत का कार्य पूर्ण किया गया।

दिनांक 1 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्रामसभा में अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर रैली व समारोह सम्पन्न किया गया।

दिनांक 03 दिसम्बर 2020 को महाविद्यालय परिसर से लेकर शहर तक एक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली के दौरान मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह देखा गया। कई मतदाताओं द्वारा इस बार अवश्य मतदान करने का आश्वासन भी दिया गया। रैली के बाद महाविद्यालय परिसर में मतदाता जागरूकता पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागी स्वयंसेवकों ने बड़े रोचक ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेवक अंकिता तिवारी ने चुनाव आयोग द्वारा अपेक्षित विषय प्रत्येक मत की महत्ता' पर अपने विचार विस्तार से रखा। स्वयंसेविका पिंकी मौर्या, अंकित राव ने अपने गाँव में मतदाताओं के मतदान करने के फैसले से लोगों को अवगत कराया।

दिनांक 5 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में छात्र–छात्राओं द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया।

दिनांक 7 दिसम्बर, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं की मलिन बस्तियों की सफाई किया गया।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम सभाओं में सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा सफाई पर जागरूकता रैली निकाली गयी।

दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा चयनित ग्राम सभाओं में नालियों की सफाई की गयी।

दिनांक 18 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय परिसर में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के डॉ0 शिप्रा सिंह ने अपने हितों की रक्षा करने के साथ–साथ अन्य नागरिकों के हितों की रक्षा करने की बात की। प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्यों के अधिकार को सम्मान देने का विचार व्यक्त किया। स्वयंसेवक कृष्ण कुमार ने पूरे विश्व को गाँव मानकर प्रकृति का अनुकूलतम उपयोग करके मनुष्य के हितों की रक्षा करने की बात की।

दिनांक 21 दिसम्ब्र, 2020 को सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने–अपने चयनित ग्राम सभाओं में जाकर सड़क निर्माण का कार्य किया गया।

दिनांक 23 दिसम्बर, 2020 को चयनित ग्राम महुअरिया में सभी स्वयंसेवकों ने कुओं के आस–पास साफ–सफाई की। छात्रों ने झाड़ू, फावड़ा आदि साधनों से कुओं को साफ करने का काम किया। कुओं को साफ करने के दौरान ग्रामवासियों ने कुछ कुओं के प्रयोग में न होने की सूचना दिया जिस पर स्वयंसेवकों ने कहा कि अप्रयुक्त कुआँ होने के बाद भी उसकी सफाई की जानी चाहिए क्योंकि कुएँ के आस–पास की गन्दगी वहीं तक सीमित न होकर पूरे सामाजिक वातावरण को गन्दा करती है।

दिनांक 9 जनवरी, 2021 को सभी छात्र एवं छात्राओं द्वारा अपने चयनित ग्राम सभाओं में मद्यपान निषेध पर रैली के माध्यम से ग्राम वासियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 जनवरी, 2021 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'युवा सप्ताह' मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने युवाओं से विवेकानन्द जी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आवाहन किया। वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं का समाधान स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों पर चलकर करने हेतु युवाओं को प्रेरित किया। उक्त अवसर पर बोलते हुए महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0 प्रोफे0 डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने स्वामी जी के सूत्र वाक्य 'उठो, जागो और आगे बढ़ो' पर अपना विस्तृत विचार व्यक्त किया।

उक्त अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को 'वित्तीय साक्षरता अभियान' के अन्तर्गत 'कैशलेश योजना' से अवगत कराया गया एवं उन्हें अमेठी शहर में जाकर दुकानदार को इस योजना से ही भुगतान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रत्येक वालन्टियर अपने ग्राम मुहल्ले में कम से कम दस परिवारों को कैशलेश योजना के लाभों की जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 धनन्जय सिंह एवं डॉ0 शिप्रा सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन स्वयंसेवक लक्ष्मी मिश्रा एवं किरन वर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

दिनांक 25 जनवरी, 2021 को सभी स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रैली निकाली गयी एवं मतदाता जागरूकता समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी ग्रामवासियों को ''पहले मतदान–फिर कोई काम'' का संकल्प दिलाया गया।

दिनांक 28 जनवरी, 2021 को महाविद्यालय में रक्तदान दिवस का आयोजन किया गया।

दिनांक 30 जनवरी, 2021 को पुनः चयनित ग्रामसभा में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राएं वृक्षारोपण थालों का निर्माण और दिनांक 03 फरवरी, 2021 को चयनित ग्राम सभाओं में वृक्षारोपण किया गया।

दिनांक 05 फरवरी, 2021 चयनित ग्राम सभाओं में सभी इकाइयों के छात्र एवं छात्राओं द्वारा साक्षरता प्रसार पर रैली निकालकर ग्रामवायियों को जागरूक किया गया।

दिनांक 12 फरवरी, 2021 को सभी इकाइयों के स्वयं सेवकों के द्वारा महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा यातायात के संदर्भ में एक जागरूकता अभियान चलाया गया और एक रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

अवगत कराना है कि आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयाँ सामान्य कार्यक्रम के अतिरिक्त समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्देशित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का संचालन कुशलतापूर्वक करती रही है।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य

(डॉ0 शिप्रा सिंह)
कार्यक्रमाधिकारी

2021/03/25 09:42

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी
राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय युवा दिवस/सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना

विशेष शिविर रिपोर्ट 2020–2021

(तिथि–21.03.2021 से 27.03.2021 तक)

चयनित ग्राम–महुअरिया

शिविर स्थल–प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी

इकाई–5

आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी

<u>प्रथम दिवस (दिनांक 21.03.2021 उद्घाटन समारोह)</u>

कार्यक्रमाधिकारी
डॉ0 शिप्रा सिंह

दिनाँक 21 मार्च, 2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी का राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष साप्ताहिक शिविर प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी में प्रारम्भ हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, मुख्य अतिथि– उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह, डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय, डॉ0 उमेश सिंह, डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह, डॉ0 विजय कुमार सिंह, डॉ0 धनंजय सिंह, डा0 ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह एवं प्रमोद आलोक इण्टरमीडिएट कालेज, मंगलपुर, अमेठी के प्रबन्धक श्री देवमणि तिवारी एवं समस्त शिक्षक महानुभाव उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती एवं महाविद्यालय के संस्थापक राजर्षि रणंजय सिंह की प्रतिमा पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह एवं उपजिलाधिकारी श्री महात्मा सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस अवसर पर शिविरार्थी नेहा राय एवं दीपमाला सिंह ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया। तत्पश्चात वरिष्ठ कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप

सिंह ने शिविर में आये हुए अतिथियों का स्वागत स्वागत भाषण के माध्यम से किया। स्वागत भाषण के दौरान ही डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने अपने अनुभवों के माध्यम से शिविरार्थियों को पूर्व में आयोजित शिविर एवं पूर्व के कुछ शिविरार्थियों के अनुशासन के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ इस शिविर में रहकर शिविरार्थी किस तरह से समाज–निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं इसको भी रेखांकित किया।

शिविरार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया गया जिसको कि अतिथियों ने बहुत सराहा। महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के असि0 प्रोफेसर डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्‌देश्य के बारे में प्रकाश डाला तथा इन सात दिनों में चयनित ग्राम में जाकर ग्रामवासियों को विभिन्न समस्याओं से परिचित कराकर उनका समाधान अपने स्तर पर करने की अपील की। महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 धनंजय सिंह ने ज्वलन्त सामाजिक समस्या दहेजप्रथा एवं कन्या भ्रूणहत्या, बाल–विवाह रोकने हेतु शिविरार्थियों का आह्‌वान किया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने जलसंचयन एवं आवश्यकतानुसार प्राकृतिक सम्पदाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया। शारीरिक शिक्षा विभाग के असि0 प्रोफे0 डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य से सम्बन्धित समस्याओं एवं उनके समाधान के प्रति शिविरार्थियों में जागरूकता पैदा किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने ओजस्वी भाषण के माध्यम से छात्रों को विवेकानन्द के व्यक्तित्व से प्रेरित होकर राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने की अपील की। उन्होंने कृषि प्रधान देश होने के बाद भी कृषि की दयनीय स्थिति पर अपनी चिन्ता व्यक्त की एवं विभिन्न माध्यमों से कृषि को उन्नत करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित एवं संकल्पित कराया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिविर के इस सत्र मुख्य अतिथि डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रारम्भ से लेकर अब तक की ऐतिहासिक विवेचन प्रस्तुत किया। एवं विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से शिविरार्थियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया। विवेकानन्द एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के व्यक्तित्त्व से प्रेरित होकर समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने

हेतु संकल्पित किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने शिविरार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्र वाक्य, बैज एवं चिन्ह के उद्‌गम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिविर में सात दिन तक सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 देवेन्द्र मिश्र ने कार्यक्रमोंपरान्त उद्‌घाटन सभा में उपस्थित अतिथियों, ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शिविर के प्रथम दिन के सायंकालीन सत्र में चारों इकाईयों के शिविरार्थियों ने अपने–अपने कार्यक्रमाधिकारी के निर्देशन में सप्ताह भर में चयनित ग्राम में होने वाली गतिविधियों एवं सायंकालीन सत्र में होने वाले कार्यक्रमों, गोष्ठियों के बारे में विवरण भी तैयार किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योजना(N.S.S.)
NOT ME BUT YOU
सप्त दिवसीय विशेष शिविर
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमेठी

दूसरा दिवस (22.03.2021)

दिनांक 22.03.2021 को आर0आर0पी0जी0 कालेज अमेठी के राष्ट्रीय सेवा योजना के साप्ताहिक शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों ने शिविर स्थल के आस पास साफ–सफाई किया। पूर्वाह्नसत्र में शिविरार्थियों ने पंक्तिबद्ध होकर चयनित ग्राम महुअरिया में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। शिविरार्थी रैली के दौरान अपने हाथों में स्लोगन लिखित पोस्टर, बैनर एवं तख्तियाँ लिए हुए थे। रौली के दौरान सभी ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपने–अपने ढंग से बातचीत के माध्यम से समझा रहे थे। उक्त अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा विभिन्न प्रश्न भी पूछे गए जिनका सन्तोषजनक उत्तर देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें सन्तुष्ट करने का प्रयास किया। कुछ ग्राम के मतदाताओं ने मतदान करने से होने वाले फायदे के बारे में पूछा एवं मतदान न करने हेतु अपने कारण भी बताए जिसका उत्तर कुशलतापूर्वक देते हुए शिविरार्थियों ने उन्हें मतदान के माध्यम से ही अपने इच्छुक अभ्यर्थी का चुनाव करके सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील की। अन्त में ग्रामवासियों ने सभी स्वयं सेवकों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया कि उन्होंने ग्रामवासियों को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए अपना समय निकालकर ग्राम में विचरण किया। इस दौरान स्वयं सेवकों ने प्रथम सत्र की रैली में पूछे गए प्रश्नों एवं ग्रामवासियों में मतदान हेतु शिथिलता के बारे में गम्भीरतापूर्वक विचार किया, एवं मतदाता जागरूकता हेतु अन्यकार्यक्रम किए जाने की प्रतिबद्धता भी जतायी।

सायंकालीन सत्र में शिविर स्थल पर मतदाता जागरूकता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापक एवं क्षेत्र के अनेक नागरिक सम्मिलित हुए। गोष्ठी की शुरूआत ईशवन्दना एवं सरस्वती वन्दना से हुई। तदोपरान्त कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों ने प्रातःकालीन रैली में मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित समस्याओं की ओर अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया। स्वयंसेविका सरिता वर्मा ने मतदाता जागरूकता के अभियान की सफलता की वकालत की। उन्होंने मतदाता जागरूकता के कार्यक्रमों के कारण इस वर्ष होने वाले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना व्यक्त की जो

कि जागरूकता अभियान की सफलता की ओर इशारा करता है। स्वयंसेविका पुष्पा मौर्या ने महिलाओं का आवाह्न किया कि महिलाएँ मतदान में भाग लेकर देश की तस्वीर बदलने का काम कर सकती हैं। तत्पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द सिंह ने अपने वक्तव्य के माध्यम से उपस्थित ग्रामवासियों में मतदान हेतु अपनी सक्रिय भागीदारी देने की अपील की। उन्होंने विगत वर्षों में हुए मतदान में मतदान प्रतिशत को सामने रखकर केवल आधी आबादी द्वारा ही सरकारें गठित होने पर अपनी चिन्ता व्यक्त की। एवं इस मतदान प्रतिशत को हर स्थिति में प्रत्येक चुनाव में बढ़ाए जाने हेतु प्रेरित किया। ग्राम प्रधान ने ग्रामवासियों को उपलब्ध कराए गए योजनाओं के प्रकाश में मतदाताओं को अधिक अच्छी सरकार गठित करके अन्य लाभकारी योजना लाने हेतु मतदान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आवाह्न किया कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के ग्रामवासी का नामांकन होना चाहिए अगर किसी को नामांकन कराने में कोई परेशानी हो तो लेखपाल, बी0एल0ओ0 से सम्पर्क करके फार्म 6 भरकर नामांकन करवा सकता है। बी0एल0ओ0 प्रतिदिन ग्राम में आते हैं। आवश्यकता है कि वंचित ग्रामवासी उनसे सम्पर्क अवश्य करें। गोष्ठी के अन्त में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सूत्रवाक्य "Not Me But You" की विशद व्याख्या की एवं प्रत्येक मत को महत्त्वपूर्ण बताते हुए राष्ट्र निर्माण में योग्य उम्मीदवारों का चयन करके भागीदार बनने की अपील की। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह आश्वासन दिया कि मतदाता जागरूकता हेतु पुनः चयनित ग्राम में जाकर छूटे हुए मतदाताओं का नामांकन कराया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

राष्ट्रीय सेवा योज
NOT ME BUT YOU
SWACHH BHARAT MISSION
2021-03-23 12:10

राष्ट्रीय सेवा योज
YOU
2021-03-23 12:09

तीसरा दिवस (23.03.2021)

दिनांक 23.03.2021 को सभी स्वयंसेवक शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित होकर विद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों के साथ प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। स्वयं सेवक प्रीती मौर्या इकाई पंचम ने सभी स्वयं सेवक एवं उपस्थित जनसमुदाय से संकल्प लेकर बाल–विवाह, मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का समाधान करने की अपील की। इकाई तीन के स्वयंसेवकों ने लघुनाटिका प्रस्तुत की जिसका विषय था 'लोकतन्त्र की महत्ता'। उक्त कार्यक्रम अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। साथ ही साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने सभी स्वयंसेवको को सामाजिक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

सायंकालीन सत्र में 'मद्यपान निषेध' विषय पर एक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें सभी शिविरार्थी, कार्यक्रमाधिकारी एवं विशिष्टजन उपस्थित हुए। मद्यपान निषेध की आवश्यकता पर बल देते हुए मद्यपान के भयावह स्वरूप पर महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय ने विस्तृत चर्चा की। उक्त गोष्ठी में ग्राम प्रधान ने पूरी ग्रामसभा को मद्यपान से मुक्त कराने का संकल्प लिया एवं इस कार्यक्रम हेतु सभी कार्यक्रमाधिकारियों, शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 सीमा सिंह ने महिलाओं से अपील की कि मद्यपान जैसे ज्वलन्त समस्याओं का निदान महिलाएँ घर के सदस्यों को समझाकर जागरूककर एवं अपना विरोध ज्ञापित करके अच्छी तरह से कर सकती हैं। घर एवं समाज के परिवेश का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ता है इसीलिए लोगों को कोई भी ऐसा व्यसन नहीं करना चाहिए जिससे वे अपने बच्चों का भविष्य खराब करने में भागीदार बने। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने मद्यपान से होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालते हुए अपील की कि हम सब लोगों को मिलकर स्वस्थ वातावरण पैदाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने उक्त व्यसन पर होने वाले धन की हानि एवं स्वास्थ्य क्षति पर विशेष रूप से लोगों का ध्यानाकर्षण किया।

बच्चों के अधिकार

चौथा दिवस (24.03.2021)

दिनांक 24.03.2021 को स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के रूप में चयनित ग्राम में पंक्तिबद्ध होकर एक रैली निकाली। सभी स्वयंसेवक स्वच्छता जागरूकता से संबंधित नारे लिखित तख्तियाँ हाथों में लिए हुए थे। सभी स्वयंसेवकों ने गली, सड़क, कुएँ, हैण्डपाइप के आस–पास फैली हुई गन्दगी को झाड़ू, फावड़ा से साफ किया एवं उपस्थित ग्रामवासियों को स्वच्छता की महत्ता बताते हुए उन्हें स्वयं ही साफ–सफाई करने को उद्यत किया। गाँव वालों ने कहा कि एक दिन साफ करने से क्या होगा प्रतिदिन आकर साफ–सफाई करिए। इस पर स्वयंसेवकों ने सन्तोषजनक उत्तर देते हुए कहा कि हम लोग सांकेतिक रूप से साफ–सफाई कर रहे हैं। अगर आप लोगों को यह मालूम है कि प्रतिदिन साफ–सफाई होनी चाहिए इसका अर्थ है कि साफ–सफाई स्वच्छता करना अच्छा कार्य है और अच्छे कार्य को करने के लिए हर नागरिक को तैयार रहना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने स्वच्छता के माध्यम से स्वस्थ वातावरण बनाकर अनेक गन्दगी जनित समस्याओं का निदान करने हेतु ग्रामवासियों से बात भी किया।

सायंकालीन सत्र में 'पर्यावरण जागरूकता', पर एक संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें सभी शिविरार्थी ग्रामवासी एवं महाविद्यालय के अधिकांश प्राध्यापक उपस्थित हुए। गोष्ठी में बोलते हुए आर.आर.पी.जी. कालेज, अमेठी के रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह ने पर्यावरण को क्षति पहुँचाने वाले कारकों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने पर्यावरण को बचाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए उपस्थित लोगों को मृदा–संरक्षण, जल संसाधन का समुचित उपयोग एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित करने की अपील की। इसी क्रम में विशेष आमन्त्रित अतिथि डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय अध्यक्ष, भूगोल विभाग, आर0आर0पी0जी0 कालेज, अमेठी ने जल बचाओ आन्दोलन में स्वयं द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि जलसंकट वर्तमान समय की सबसे विकट समस्या बनता जा रहा है जिसको रोकने की चुनौती समाज के सामने है। उन्होंने विश्वस्तर पर होने वाले ग्लोबल वार्मिंग की तरफ भी सबका ध्यान आकर्षित किया। गोष्ठी के समापन अवसर पर

कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए, पर्यावरण, संरक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवायोजना के स्वयंसेवकों द्वारा किए गए प्रयासों का विवरण प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NOT ME BUT YOU
रणवीर रणञ्जय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमेठी

पॉचवा दिवस (25.03.2021)

दिनांक 25.03.2021 को इकाई–5 के शिविरार्थियों के बीच एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ''। प्रतियोगिता में सभी शिविरार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरान्त प्रतिभागियों के निबन्ध का मूल्यांकन कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह द्वारा किया गया। मूल्यांकन के पश्चात प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया जिनका नाम निम्नवत है–

1–	खुशबू मिश्रा	प्रथम स्थान	पंचम इकाई
2–	पूजा वर्मा	द्वितीय स्थान	पंचम इकाई
3–	संध्या सरोज	तृतीय स्थान	पंचम इकाई

अल्पकाल के विश्राम के बाद सभी शिविरार्थी पुनः एकत्रित हुए एवं चयनित ग्राम महुअरिया में वृक्षारोपण विषय पर लिखित तख्तियों, पट्टिकाओं के साथ रैली निकाली। रैली के दौरान अधिकांश, ग्रामवासी जगह–जगह खड़े होकर स्लोगन को पढ़ रहे थे। कई जगह एकत्रित व्यक्तियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों ने वृक्षारोपण के महत्व को समझाया एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। इस सत्र में चयनित ग्राम महुअरिया में स्वयंसेवकों द्वारा रोपित पौधों का अवलोकन भी किया एवं कुछ पौधों के सूखने के कारणों पर विचार भी किया। रैली से वापस आने के बाद सभी शिविरार्थी शिविर स्थल पर एकत्रित हुए जहाँ पर उनके द्वारा निबंध प्रतियोगिता में प्राप्त अंकों को बताया गया। प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के नाम की भी घोषणा की गयी। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागियों की कापी को अन्य प्रतिभागियों को भी दिखाया गया जिससे कि वे अपनी तुलना उन चयनित प्रतिभागियों से कर सके और अपनी गलतियों को सुधारकर व्यक्तित्व निर्माण कर सके। प्रत्येक छात्र के निबंध लेखन की गलतियों को कार्यक्रमाधिकारी द्वारा इंगित करके उन्हें दूर करने के तरीकों को भी बताया गया। तत्पश्चात चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया जिससे कि उनका उत्साहवर्धन हो सके एवं अन्य प्रतिभागी भी अपने अगले प्रयास में और

अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रतिभागियों द्वारा अध्ययन के समय एवं प्रश्नों के उत्तर लिखते समय आने वाली समस्याओं के बारे में भी प्रश्न पूछा गया जिसका उत्तर सहज ढंग से महाविद्यालय के मध्यकालीन इतिहास के असि0 प्रोफे0 डॉ0 राधेश्याम सरोज ने दिया जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त सन्तुष्ट दिखे। प्रथम इकाई के स्वयंसेवक रविशंकर मिश्र ने लिखते समय मस्तिष्क में आ रहे विचारों के गायब होने के बारे में प्रश्न किया जो कि अनेक छात्रों के साथ होता है। इस प्रश्न का उत्तर महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अक्षयवर नाथ तिवारी ने यह कहकर दिया कि जब छात्र में आत्मविश्वास का अभाव होता है और विचारों को क्रमबद्ध ढंग से मस्तिष्क में व्यवस्थित नहीं कर पाता है तो इस तरह की समस्या आती है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि छात्र अध्ययन के समय विचारों को व्यवस्थित करके अपने भी विचार शामिल करे और साथ ही साथ यह आत्मविश्वास भी पैदा करे कि वह अपने विचारों को दृढ़ता के साथ स्थापित कर सकता है। अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने अतिथियों को आभार ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी चाय पीने हेतु पंक्तिबद्ध हो गए जहाँ पर उन्हें बिस्किट, हलुआ एवं चाय प्रदान किया गया।

षष्टम दिवस (26.03.2021)

दिनांक 26.03.2021 को चयनित ग्राम महुअरिया में स्वच्छता जागरूकता पर कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह के निर्देशन में शिविरार्थियों द्वारा एक रैली निकाली गयी। रैली के दौरान टोली नायकों ने अनुशासित होकर अपने–अपने टोली के सदस्योंको व्यवस्थित रूप में ग्राम भ्रमण कर रहे थे जिसके लिए ग्रामवासी घरों से निकलकर बाहर काफी देर तक खड़े रहे एवं वे शिविरार्थियों के हाथों में उपलब्ध तख्तियों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ रहे थे। इस बार यह रैली इसलिए निकाली गयी थी कि पूर्व के दिनों में स्वच्छता के बारे में किए गए गतिविधियों के प्रभाव का मूल्यांकन हो सके कि क्या इन जागरूकता के कार्यक्रमों का प्रभाव ग्रामीणों पर पड़ रहा था या नहीं। रैली के दौरान इस बार बहुत ही सकारात्मक परिणाम पाया गया। हैण्डपम्प, नाली, रास्तों, कुओं के आस–पास पिछली बार की अपेक्षा अधिक साफ–सफाई देखी गयी। जिससे कि स्वयंसेवी छात्र अत्यन्त उत्साहित एवं खुश दिखे। अन्त में सभी शिविरार्थी पंक्तिबद्ध होकर ही वापस शिविर स्थल पहुँचे जहाँ पर एक स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता 'साक्षरता' विषय पर करायी गयी। स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता अनेक आकर्षक स्लोगन से प्रथम तीन स्थान प्राप्त छात्रों का चयन भी किया गया जिन्हें शिविर के अन्तिम दिन पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी।

बौद्धिक कार्यक्रम में शाम को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था– ''भ्रष्टाचार में युवाओं की भूमिका''। यह ऐसा विषय है जिस पर युवाओं की देश के प्रति सोच से परिचित हुआ जा सके। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने युवाओं की भूमिका पर विचार रखने के साथ–साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं व्यक्तित्व निर्माण हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रयासों की प्रशंसा भी की। प्रथम इकाई के छात्र शुभम् कश्यप ने बड़े ही रोचक ढंग से युवाओं की शिथिलता को प्रस्तुत करते हुए उन्हें उत्साहित होकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपना सक्रिया योगदान देने की अपील की। अन्य प्रतिभागी सरिता तिवारी ने विवेकानन्द के व्यक्तित्व को सामने रखकर राष्ट्र निर्माण हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात की। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के सदस्यों – कृषि विज्ञान केन्द्र, सीतापुर के निदेशक डॉ0 आनन्द

सिंह, महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ0 आशीष शुक्ल एवं कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 आनन्द सिंह ने पूरे विश्व में भारत के युवाओं की सराहना की कि हमारे देश का युवा सबसे अधिक ऊर्जावान है। अन्य देशों में युवा अवसादग्रस्त हो रहे हैं। जबकि हमारे देश के युवा तथाकथित विकास के आधुनिक प्रतिमानों से दूर होने के कारण अधिक ऊर्जावान एवं उत्साहित हैं। तत्पश्चात स्वयंसेवकों ने चाय, नाश्ता ग्रहण किया। अन्तिम कार्यक्रम के रूप में सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन शिविरार्थियों द्वारा किया गया। जिसमें दहेजप्रथा, मतदाता जागरूकता, स्वच्छता आदि के बारे में एक संगीत, नृत्य, समूह गीत के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी कार्यक्रमाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। उसके बाद सभी शिविरार्थी रात्रि भोजन व्यवस्था में लग गए।

दहेज प्रथा है एक अभिशाप
बेटी को मत समझो भार जीवन का है यह आधार
Save Me

राष्ट्रीय सेवा योजना
विशेष शिविर

सप्तम दिवस (27.03.2021) समापन समारोह

शिविर के अन्तिम दिन दिनांक 27.03.2021 को नाश्ता करने के बाद सभी शिविरार्थी चयनित ग्राम महुअरिया में साक्षरता जागरूकता पर रैली हेतु पंक्तिबद्ध हुए। रैली टोली नायकों के निर्देशन में अनुशासित होकर रैली गाँव भर में भ्रमण की। रैली के समय सभी शिविरार्थी हाथों में हस्तलिखित पट्टिकाएँ लिए हुए थे। पट्टिकाओं पर लिखे हुए बहुत ही आकर्षक एवं अर्थपूर्ण थे जिसे ग्रामवासियों द्वारा तल्लीनता से पढ़ा जा रहा था। ग्रामवासियों ने चयनित ग्राम रतनसिरा में इतने अधिक जागरूकता का कार्यक्रम करने के लिए शिविरार्थियों के प्रति आभार भी ज्ञापित किया। तत्पश्चात सभी चारों इकाई के शिविरार्थी शिविर के समापन समारोह हेतु एकत्रित हुए। समापन समारोह में आर.आर.पी. जी. कालेज के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह, रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह जन्तु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 मलखान सिंह, पूर्व भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0 अर्जुन प्रसाद पाण्डेय, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ0 अक्षयवरनाथ तिवारी, अंग्रेजी विभाग के डॉ0 ओ0 पी0 त्रिपाठी, समापन कार्यक्रम के प्रारंभ में इकाई तीन के स्वयंसेवकों की तरफ से अंकित राव एवं स्वयंसेविकाओं की तरफ से साक्षी द्विवेदी ने साप्ताहित शिविर में संचालित गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ0 अरविन्द सिंह ने अपने संबोधन में सभी शिविरार्थियों से अपील की कि शिविरार्थियों को शिविर एवं चयनित ग्रामों में किए गए गतिविधियों का अनुसरण व्यक्तिगत जीवन में करना चाहिए एवं चौबीस घंटे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने हेतु तैयार होना चाहिए। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर करने हेतु स्वयंसेवकों से भ्रष्टाचार में लिप्त न होने एवं लिप्त भ्रष्टाचारियों को सामाजिक रूप से बहिष्कृत करके अपना विरोध व्यक्त करने का आवाहन किया। विद्यालय के प्राध्यापक राजीव सिंह ने अपना संस्मरण सुनाया एवं अपने व्यक्तित्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने शिविरार्थियों के लगन एवं अनुशासन की बार–बार प्रशंसा की। कालेज के शिक्षक श्री राजमणि तिवारी ने स्वच्छता एवं साक्षरता के माध्यम से राष्ट्र सेवा करने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। आर.आर.पी.जी. कालेज के

प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने राष्ट्रीय सेवायोजना के उद्देश्यों को शत–प्रतिशत सफल करके व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्रनिर्माण में अपना सक्रिय सहयोग देने हेतु शिविरार्थियों को प्रेरित किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात साप्ताहिक शिविर में सम्पन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सांकेतिक रूप से पुरस्कृत भी किया गया। पुरस्कृत होने वाले प्रतिभागी अधोलिखित हैः–

अ. भाषण प्रतियोगिता

प्रथम प्रतिभ मिश्रा 5 इकाई

द्वितीय सोनाली सिंह 5 इकाई

ब. स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता

प्रथम – संस्कृति सिंह 5 इकाई

द्वितीय – गुंजन 5 इकाई

स. गीत–गायन प्रतियोगिता

प्रथम– मधु शर्मा 5 इकाई

द्वितीय– साधना 5 इकाई

द. विशेष शिविर नायक अंकित राव 1 इकाई

शिविर नायक छात्रा पूजा सिंह 5 इकाई

समापन समारोह के अन्त में कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 शिप्रा सिंह ने सभी अतिथियों इण्टरमीडिएट कालेज के प्राचार्य, प्रबंधक शिविरार्थियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार ज्ञापित किया कि सब लोगों ने कैम्प में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात सभी शिविरार्थी भावुक होकर अपने सामान की पैकिंग करके समाज निर्माण करने के उद्देश्य से अपने घरों को वापस चले गए।

(डॉ0 त्रिवेणी सिंह)
प्राचार्य
प्राचार्य
रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अमेठी (उ0प्र0)

(डॉ0 शिप्रा सिंह)
कार्यक्रमाधिकारी
कार्यक्रमाधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
आर0आर0पी0जी0कालेज, अमेठी

RANANJAY POST GRADUATE COLLEGE

गई। वहां सर्द हवाएं लोगों को परेशान कर रही थी।

शनिवार की सुबह पूरी तरह से कोहरा छाया रहा। वहीं सर्दी अपने पूरे रौ में दिखी। ठंड से पूरा जिला कांपता नजर आया। पारा दस डिग्री सेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड किया गया।

'समाज को सशक्त और नैतिक बनाने की जरूरत'

संवादसूत्र, अमेठी : रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में प्राचार्य डा. त्रिवेणी सिंह ने जीवन जीने की कला पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त एवं नैतिक बनाने की जरूरत है। बौद्धिक सत्र में जल संवाद गोष्ठी में डा. अर्जुन पांडेय ने कहा कि जिस पानी को भारत में देवता एवं नदियों को मां कहा गया है आज पानी को बाजार की वस्तु बनाकर बेचा एवं खरीदा जा रहा है। क्षेत्र की मालती एवं उज्जयिनी नदियों का अस्तित्व खतरे में है। इन नदियों के संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। डा. धनंजय सिंह ने कहा गांवों में पानी के बैंक तालाब, पोखर एवं नदियों के संरक्षण की जरूरत है। डा. संतोष कुमार सिंह, डा. मानवेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रमाधिकारी डा. शिप्रा सिंह, डा. देवेंद्र मिश्र, राजकुमार जायसवाल, डा. दुष्यंत प्रताप सिंह, डा. अजय कुमार सिंह, डा. शशिशेखर सिंह, डा. ओपी त्रिपाठी सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पंचायत उप चुनाव के लिए

जासं, अमेठी : ग्राम प्रधान तीन व

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

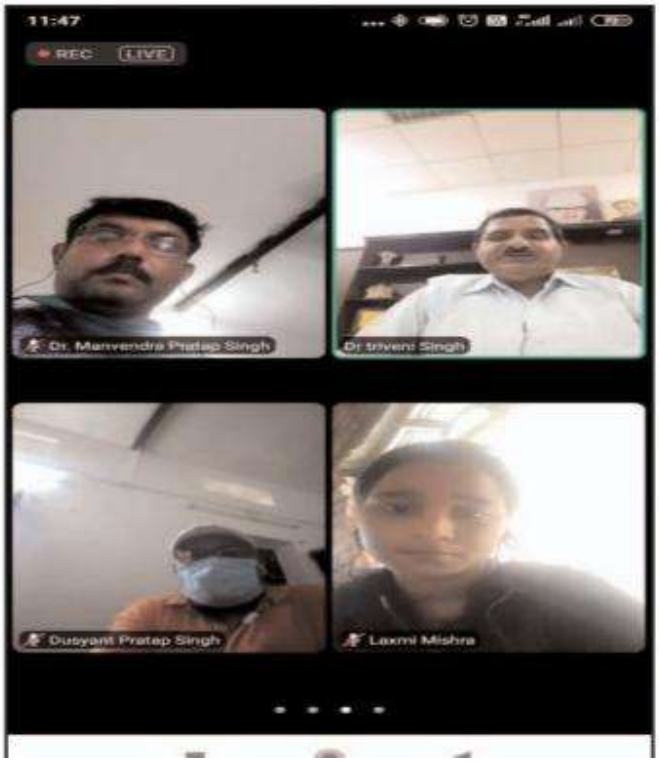

साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00-06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के मुख्य कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत दिनों में कई विषय विशेषज्ञों से सम्पर्क कर छात्राओं को आनलाइन माध्यम से उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साइबर क्राइम से बचाव हेतु विनोद कुमार मिश्र ने आनलाइन माध्यम से बालिकाओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

रहा है यदि उनको कोई समस्या है तो उन्हे नोट कर उसका त्वरित निस्तारण कराया जा रहा है, साथ- साथ प्रत्येक थाना क्षेत्र के चिन्हित हाट-स्पाट पर निरन्तर पैट्रोलिंग की जा रही है।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित किये गये कार्यक्रम में साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक।

इलाहाबाद एक्सप्रेस ब्यूरो अमेठी

अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00-10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00-12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे महिला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. दुष्यन्त प्रताप सिंह व राजेन्द्र कुमार मौर्य तकनीकि सहयोग प्रदान कर रहे हैं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान कोविड-19 के रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का विशेष ध्यान रखा गया।

आरआरपीजी में मिशन शक्ति के अंतर्गत हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

साइबर अपराध एवं महिला सुरक्षा के प्रति छात्राओं को किया गया जागरूक

संवाददाता। अमेठी। जनपद के रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरआरपीजी) में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर तथा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 त्रिवेणी सिंह ने बताया कि समाज में बढ़ते हुए अपराध के प्रति बालिकाओं को जागरूक करने हेतु यह कार्यक्रम आनलाइन माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। आज महिलायें देश के प्रत्येक क्षेत्र में बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन 10:00–10:30 बजे तक बेविनार, पोस्टर, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता, 11:00–12:00 बजे तक विभिन्न विषयों पर जैसे मला सुरक्षा, आत्म रक्षा स्वास्थ्य संवर्धन, महिला हेल्प लाइन नं0 एवं कानून के प्रति जागरूकता आयोजित किया जा रहा है। साथ ही साथ प्रतिदिन सायं 05:00–06:00 बजे तक बालिकाओं को आनलाइन माध्यम से स्वरक्षा के गुर सिखायें जा रहे हैं।

रणवीर रणंजय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अमेठी
अंतू रोड़, अमेठी, उ0प्र0–227405

शारीरिक शिक्षा विभाग एवं NSS द्वारा
आयोजित पांच दिवसीय महिला आत्मरक्षा ट्रेनिगं कार्यक्रम

शारदीय नवरात्र मिशन शक्ति कार्य योजना

विषय-'बालिका स्वास्थ्य संवर्धन' पर वेविनार
दिनांक 22 अक्टूबर 2020 सुबह 10:00 से 11:30 तक

निबंध, स्लोगन, शपथ ग्रहण
कार्यक्रम सुबह 11:30 से 12:00 तक

ऑनलाइन आत्मरक्षा प्रशिक्षण
कार्यक्रम शाम 05:00 से 06:00 तक

रानी डॉ0 अमीता सिंह
सचिव

डॉ0 त्रिवेणी सिंह
प्राचार्य

डॉ0 दुष्यन्त प्रताप सिंह
कार्यक्रम प्रशिक्षक

डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यक्रम अधिकारी